वर्ष 24, अंक 201, पृष्ठ 08, मूल्य: 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 30 जनवरी 2025

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

भारत को Global Hub बनाएं- मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के क्षेत्र में कार्यरत मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) और विशेषज्ञों से बातचीत की और इस बात पर जोर दिया कि एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की आवश्यकता है जो 'पारदर्शी, निष्पक्ष और सुरक्षित' हो। उन्होंने एआई के नैतिक उपयोग पर भी कोई समझौता न करने की बात कही और प्रमुख क्षेत्रों में स्वदेशी प्रौद्योगिकी के उपयोग का आह्वान किया। 7, लोक कल्याण मार्ग (एलकेएम) स्थित अपने कार्यालय में हुई इस बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने सीईओ से भारत को वैश्विक एआई प्रयासों के लिए एक 'उपयुक्त केंद्र' बनाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि देश ने एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) के माध्यम से अपनी तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन किया है और इसे एआई के क्षेत्र में भी दोहराया जा सकता है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि पीएम मोदी ने डेटा सुरक्षा और प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण के महत्व पर जोर

दिया है। उन्होंने यह भी अपील की कि भारत में एआई इकोसिस्टम देश के चरित्र और मूल्यों को प्रतिबिंबित करे, साथ ही एआई कौशल विकास और प्रतिभा निर्माण की आवश्यकता पर भी बल दिया। पीएमओ ने कहा कि आगामी एआई इम्पैक्ट समिट के बारे में बोलते हुए, प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सभी व्यक्तियों और कंपनियों को नए अवसरों का पता लगाने और विकास पथ पर तेजी से आगे बढ़ने के लिए इस समिट का लाभ उठाना चाहिए। पीएमओ ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत के पास विशालता, विविधता और लोकतंत्र का अनूठा संयोजन है, जिसके कारण दुनिया भारत के डिजिटल बुनियादी ढांचे पर भरोसा करती है।

पीएमओ ने कहा कि सभी के लिए एआई' के अपने दृष्टिकोण के अनुरूप, प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें अपनी प्रौद्योगिकी से प्रभाव पैदा करने के साथ-साथ दुनिया को प्रेरित करने की भी आवश्यकता है। इस उच्चस्तरीय गोलमेज सम्मेलन में विप्रो, टीसीएस, एचसीएल टेक, जोहो कॉर्पोरेशन, एलटीआई माइंडट्री, जियो प्लेटफॉर्म्स लिमिटेड, अदानीकॉनेक्स, एनएक्सट्रा डेटा और नेटवेब टेक्नोलॉजीज सहित एआई क्षेत्र में कार्यरत कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया।

पार्थ और जय ने पिता को दी मुखाग्नि, गमगीन रहा बारामती का नजारा

भतीजे की विदाई देख मौन हुए शरद पवार

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र के कद्दावर नेता, उपमुख्यमंत्री और ठउढ प्रमुख अजित पवार का गुरुवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ बारामती के विद्या प्रतिष्ठान मैदान में अंतिम संस्कार किया गया। अपने पसंदीदा नेता की एक झलक पाने और उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए बारामती की सड़कों पर हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े। उनकी अंतिम यात्रा में समर्थकों की रुलाई और "अजित दादा परत या" (अजित दादा वापस आओ) के नारों ने माहौल को और भी गमगीन कर दिया। अंतिम संस्कार के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित कई बड़े नेता मौजूद थे।

परिवार और समर्थकों का दर्द

अंतिम संस्कार के दौरान अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार और उनके दोनों बेटे, पार्थ और जय, उपस्थित थे। नम आंखों के साथ दोनों बेटों ने अपने पिता की चिता को मुखाग्नि दी। बारामती के काटेवाड़ी गांव से लेकर विद्या प्रतिष्ठान तक, हर आंख नम थी। एक समर्थक ने रोते हुए कहा, "अजित दादा ने इस क्षेत्र को नई पहचान दी, उनके जैसा विकास पुरुष दोबारा नहीं होगा।"

शाह, गडकरी सहित कई बड़े नेताओं ने दी अंतिम श्रद्धांजलि

केंद्रीय मंत्री अमित शाह, नितिन गडकरी, रामदास अठावले, बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुशीलकुमार शिंदे और आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश उन नेताओं में शामिल थे जिन्होंने पवार के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित किए। इसके बाद, पार्थ और जय ने अपने पिता की चिता को अग्नि दी। बारामती पवार परिवार का गृहनगर है, जो पुणे से 100 किलोमीटर दूर है।

अजित दादा अमर रहे के नारे

अजित पवार के अंतिम संस्कार के लिए हजारों लोग एकत्रित हुए और जब उनके पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर उनके गांव काटेवाडी से विद्या प्रतिष्ठान के मैदान में लाया गया तो लोगों ने ह्यह्यअजित दादा अमर रहे के नारे लगाए। सुनेत्रा पवार जब अपने दिवंगत पति को श्रद्धांजलि दे रही थीं तो बारामती से राकांपा (शरदचंद्र पवार) की लोकसभा सदस्य एवं उनकी चचेरी बहन सुप्रिया सुले अपनी चाची (सुनेत्रा पवार) के साथ खड़ी और उन्हें सांत्वना देती दिखीं।

मुखाग्नि दिए जाते समय राकांपा (शप) प्रमुख शरद पवार मौन बैठे दिखे इस दौरान राकांपा के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल भी उपस्थित थे। लाउडस्पीकर पर घोषणाओं में लोगों से शांत रहने, अनुशासन बनाए रखने और अपनी सीट पर बैठे-बैठे ही दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देने का आग्रह करते हुए कहा गया कि यही अजित पवार को सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी।

मौत का तांडव, 21 शव बरामद, 28 लापता; BJP बोली- TMC सरकार की लापरवाही

कोलकाता

कोलकाता के पास 26 जनवरी को लगी आग में मरने वालों की संख्या 21 हो गई है, जले हुए भवनों से 13 और शव बरामद किए गए हैं। 28 अन्य लोग अभी भी लापता हैं, और आशंका है कि मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। पुलिस ने इलाके में सार्वजनिक आवाजाही पर प्रतिबंध लगाते हुए निषेधाज्ञा भी लागू कर दी है। तड़के दक्षिण 24 परगना जिले के आनंदपुर में लगी भीषण आग दो गोदामों और एक मोमो कंपनी की निर्माण इकाई तक फैल गई। मृतकों की संख्या अब बढ़कर 21 हो गई है, जिनमें से 13 से अधिक शव इमारतों से बरामद किए गए हैं। घटना की प्रकृति और क्षति की सीमा को देखते हुए, मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है।

इस बीच, भाजपा के वरिष्ठ नेता सुवेंदु अधिकारी ने गुरुवार को आग से प्रभावित नाजिराबाद क्षेत्र का दौरा किया, जहां बीएनएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू थी।

राष्ट्रपति अभिभाषण पर 18 घंटे की महाबहस, 4 फरवरी को जवाब देंगे पीएम

नई दिल्ली

सरकार ने बजट सत्र के दौरान संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर लोकसभा में चर्चा के लिए 18 घंटे आवंटित किए हैं। यह चर्चा 2, 3 और 4 फरवरी को होगी। यह निर्णय गुरुवार को लोकसभा की कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में लिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 4 फरवरी को संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का उत्तर देंगे।

सूत्रों के अनुसार, लोकसभा में 2026-27 के केंद्रीय बजट पर 5, 9, 10 और 11 फरवरी को सामान्य चर्चा होगी। इस चर्चा के लिए कुल 18 घंटे आवंटित किए गए हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 11 फरवरी को उत्तर दिए जाने की संभावना है। मंगलवार को हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों ने एमजीएनआरईजीए की बहाली, मतदाता सूची के चल रहे एसआईआर और यूजीसी विवाद सहित कई मुद्दों पर चर्चा करने का आग्रह किया।

इस बीच, लोकसभा गुरुवार दोपहर को स्थगित कर दी गई और 1 फरवरी को सुबह 11:00 बजे फिर से बैठक करेगी।

मायावती ने सुप्रीम कोर्ट के UGC वाले फैसले पर दी प्रतिक्रिया

यूपी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से जारी हुए यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में भेदभाव को रोकने के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है. सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से इन नियमों को दोबारा ड्राफ्ट करने के लिए कहा है और तब तक इन नियमों के लागू होने पर रोक रहेगी. अब इसे लेकर बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की सुप्रीमो और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती की भी प्रतिक्रिया सामने आई है. इसके साथ ही मायावती ने सवर्ण समाज के लिए भी खास मांग की है.बसपा चीफ मायावती ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा- "विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा देश के सरकारी व निजी विश्वविद्यालयों में जातिवादी घटनाओं को रोकने के लिए जो नये नियम लागू किए गए हैं,

जिससे सामाजिक तनाव का वातावरण पैदा हो गया है. ऐसे वर्तमान हालात के मद्देनजर रखते हुए सुप्रीम कोर्ट का यूजीसी के नये नियम पर रोक लगाने का आज का फैसला उचित जबकि देश में, इस मामले में सामाजिक तनाव आदि का वातावरण पैदा ही नहीं होता. अगर यूजीसी नये नियम को लागू करने से पहले सभी पक्ष को विश्वास में ले लेती और जांच कमेटी आदि में भी अपरकास्ट समाज को नेचुरल जस्टिस के अन्तर्गत उचित प्रतिनिधित्व दे देती."

क्या है पूरा मामला

बता दें कि यूजीसी ने 13 जनवरी को उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को

बढ़ावा देने के उद्देश्य से नए नियम अधिसूचित किए थे. इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे याचिकाकताओं ने दलील दी थी इन नियमों में केवल एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के खिलाफ भेदभाव का उल्लेख है. इसमें सामान्य वर्ग को भेदभाव का शिकार मानने की कोई व्यवस्था नहीं है. इस पर सुनवाई हुई और चीफ जस्टिस ने आजादी के 75 सालों में हमने जातिरहित समाज की दिशा में प्रगति की है, अब क्या हम अब पीछे जा रहे हैं. इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार और यूजीसी को नोटिस जारी करते हुए 13 जनवरी को लागू किए गए रेगुलेशंस पर रोक लगा दी।

विकासखंड शंकरगढ़ में भ्रष्टाचार के खिलाफ भाकियू (प्रयाग) का उग्र प्रदर्शन

मनरेगा से लेकर आवास तक घोटालों का आरोप,नीबी-अकोरिया पंचायतें कटघरे में

शंकरगढ़। विकासखंड शंकरगढ़ में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन (प्रयाग) ने विकासखंड कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। सैकड़ों किसान, मजदूर और महिलाएं धरने पर बैठ गईं और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए भ्रष्टाचार की जांच की मांग की।यूनियन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि विकासखंड की नीबी, अकोरिया समेत तमाम ग्राम पंचायतों में खुला भ्रष्टाचार चल रहा है।मजदूरों के मनरेगा जॉब कार्ड होने के बावजूद काम नहीं दिया जा रहा,बिना काम कराए मस्टर रोल भरकर भुगतान निकाल लिया गया,कई मामलों में मजदूरी की राशि बिचौलियों के खाते में जाने का आरोप लगाया गया,फर्जी हाजिरी और कागजी कार्यों के जरिए सरकारी धन की बंदरबांट की जा रही है।भाकियू का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास, शौचालय, नाली-सड़क, हैंडपंप, पेंशन और अन्य योजनाओं की तरह मनरेगा के कार्य भी फाइलों में पूरे दिखा दिए गए हैं, जबकि मौके पर कार्य नहीं के बराबर है। वहीं नीबी पंचायत के सेक्रेटरी पर सीधा हमला बोलते हुए

यूनियन की सबसे अधिक नाराजगी दिखी। नीबी ग्राम पंचायत के सेक्रेटरी को लेकर तमाम बातें सामने आई।आरोप लगाया गया कि सेक्रेटरी गांव में कभी दिखाई नहीं देते,बाहर रहकर बैठकर ही योजनाओं की खानापूर्ति कर दी जाती है।धरने में शामिल सैकड़ों महिलाओं ने कहा कि मनरेगा सहित अन्य योजनाओं का लाभ गरीबों को नहीं मिल रहा है। शिकायत करने पर उन्हें सिर्फ आश्वासन दिया जाता है, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं होती।धरना बढ़ता देख शंकरगढ़ थाने के उपनिरीक्षक शिव कुमार यादव ने खंड विकास अधिकारी मनोज कुमार सिंह से फोन पर भाकियू पदाधिकारियों से बातचीत कराई। खंड विकास अधिकारी ने मनरेगा सहित सभी योजनाओं की जांच,दोषियों पर कार्रवाई,तथा समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। यूनियन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द जांच शुरू नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।धरने के बाद विकास एवं प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वहीं यूनियन ने सीएचसी पर भी आरोप लगाते हुए तमाम समस्याओं के निराकरण की मांग किया है।धरने का नेतृत्व भाकियू (प्रयाग) ने किया। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष ऋषि पांडेय, जिला संगठन मंत्री रूपेंद्र यादव, ब्लॉक अध्यक्ष शंकरगढ़ सुनील पटेल, राजेश कुमार, संतलाल चौधरी,महिला मोर्चा अध्यक्ष बेबी चौधरी, दिनेश पटेल रामकली देवी,संगीता देवी, सत्यवती देवी, उषा देवी, रचना देवी, कलावती, सरस्वती, फूलकली, शकुंतला देवी व अन्य पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

घर के बाहर खड़ी पिकअप पर चोरों ने किया हाथ साफ

कोरांव। जहां एक ओर भाजपा की डबल इंजन की सरकार जीरो टॉलरेंस नीति पर काम करते हुए बड़े बड़े वादे और दावे कर रही है लेकिन वहीं दूसरी ओर धरातल पर आकर देखने में दूसरा ही नजारा प्रशासन डाल डाल तो अपराधी पाती पात देखने को मिल रहा है ऐसा ही एक वाक्या कस्बा कोरांव नगर पंचायत में देखने को मिल रहा है।

बता दे कि थाना कोरांव अंतर्गत कस्बा कोरांव में मंगलवार की बीती रात को चोरों ने व्यवसाई दीपचन्द्र केशरी पुत्र लक्ष्मी प्रसाद केशरी निवासी गोविंद नगर के घर के सामने खड़ी बोलोरो पिकप पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया जैसे ही इसकी सूचना भुक्तभोगी को हुआ आनन फानन में कोरांव थाने में तहरीर दिया किंतु 48 घंटे बाद भी न तो वाहन का पता चल पाया और न ही इस संबंध में मुकदमा पंजीकृत हो पाया है जिसके कारण पीड़ित अपने खोए वाहन को प्राप्त करने के लिए दर दर की ठोकर खाने को मजबूर है। बताया जाता है कि गाड़ी काफी दिनों से खराब खड़ी थी और चालू हालत में नहीं था बिना टोचन किए गाड़ी को ले जाना संभव नहीं था बीच बाजार गाड़ी टोचन कर चोरी कर ले जाना क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ और लोग पुलिसिया कार्य प्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लगा रहे है अब देखने वाली बात होगी कि गाड़ी बरामद कर दोषियों पर कार्यवाही होगी या फिर अन्य मामलों की तरह यह भी ठंडे बस्ते में जाएगी।

न्यूज झरोखा

बाबू बिहारी लाल इंटर कॉलेज में मनाया गया गणतंत्र दिवस

सोरांव। 26 जनवरी को पूरे देश में 77वां गणतंत्र दिवस अत्यंत हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर बड़े ही उत्साह के साथ झंडा फहराया गया। ध्वज फहराते हुए राष्ट्रगान किया गया। उपस्थित सभी ने भारत की एकता, अखंडता और संविधान के सम्मान का संकल्प लिया। विद्यालय के प्रबंधक वीरेंद्र कुमार ने अपने वक्तव्य में बतलाया कि 26 जनवरी 1950 को भारत का संविधान लागू हुआ था जिससे देश एक संपूर्ण लोकतांत्रिक गणराज्य बना। यह दिन हर भारतीय को अपने अधिकारों और कर्तव्यों की याद दिलाता है। वहीं विद्यालयों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की बच्चों ने भव्य प्रस्तुतियां दीं। बच्चों में राष्ट्रप्रेम के प्रति एक भावना जागृत हुई। गंगापार सोरांव स्थित बाबू बिहारी लाल इंटरमीडिएट कॉलेज सोरांव प्रयागराज में गणतंत्र दिवस पर बड़े ही भव्य तरीके से कार्यक्रम संपन्न हुआ। जिसमें बच्चों ने कार्यक्रम के दौरान देश भक्ति गानों पर मधुर मधुर प्रस्तुतियाँ दीं। वहीं हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में बच्चों ने गणतंत्र दिवस पर अपना स्पीच दिया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम माँ सरस्वती समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिसके पश्चात झंडा फहराते हुए राष्ट्रगान किया गया। कार्यक्रम में मौजूद रहे प्रिंसिपल अम्बिका प्रसाद शिक्षक गण में मुकेश कुमार, संजय कुमार, माया सिंह, रिंकी, प्रवेश कुमार सहित समस्त स्टॉफ मौजूद रहते हुए तालियों के साथ बच्चों का उत्साह वर्धन बढ़ाते रहे।

परिषदीय विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार को लेकर एसएमसी सदस्यों का प्रशिक्षण आयोजित

सहसों। विकास खंड सहसों अंतर्गत परिषदीय विद्यालयों में गठित विद्यालय प्रबंध समिति (एसएमसी) के प्रधानाध्यापकों एवं अध्यक्षों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम गुरुवार को शिव प्रभा सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज, जगदेवपुर बरेठी में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में संदर्भ दाता पंकज त्रिपाठी, अभिषेक सिंह, कांति शुक्ला एवं सोनिया गुप्ता ने विद्यालय प्रबंध समिति की भूमिका, संरचना एवं दायित्वों की विस्तृत जानकारी देते हुए उपस्थित सदस्यों को प्रशिक्षित किया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि विद्यालय प्रबंध समिति में कुल 15 सदस्य होते हैं। जिनमें चार सदस्य पदेन होते हैं, जबकि शेष 11 मे से अध्यक्ष समेत सदस्यों का चयन अभिभावकों की सर्वसम्मति से किया जाता है। चयनित सभी सदस्यों के बच्चे संबंधित विद्यालय में नामांकित होना अनिवार्य है। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी सहसों वरुण कुमार मिश्रा ने कहा कि विद्यालय प्रबंध समिति एक संवैधानिक व्यवस्था है। जिसमें समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अध्यक्ष पद पर अभिभावक को रखा जाता है, जबकि प्रधानाध्यापक पदेन सचिव होते हैं। अध्यक्ष एवं सचिव की संयुक्त जिम्मेदारी से विद्यालय के समस्त शैक्षिक एवं प्रशासनिक कार्यों का संचालन किया जाता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में एआरपी महेश प्रताप यादव, विद्यालय प्रबंधक विवेक कुमार सिंह, रवि दुबे, संतोष कुमार जायसवाल, कृष्ण कुमार मिश्रा, राजकुमार गिरी, अशेषानंद, राकेश यादव, रीता देवी, मोहम्मद अख्तर, राजकरन यादव सहित अनेक प्रधानाध्यापक, अध्यक्ष एवं समिति सदस्य उपस्थित रहे।

पं. कुंजबिहारी मिश्र की द्वितीय पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा, शिलापट्ट का हुआ लोकार्पण

सहसों। स्थानीय विकास खंड के भगवतपुर गांव में श्रद्धेय स्वर्गीय पंडित कुंजबिहारी मिश्रा की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर एक गरिमामय श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनके स्मरण में स्थापित शिलापट्ट का विधिवत फीता काटकर लोकार्पण किया गया। शिलापट्ट का लोकार्पण डॉ. विजेंद्र बिहारी सहाय, पूर्व चिकित्सा निदेशक एवं बी.बी.एस. एजुकेशनल सोसाइटी के निदेशक डॉ. ऋषि राज सहाय द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। उन्होंने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने पंडित कुंजबिहारी मिश्रा के सामाजिक, धार्मिक एवं नैतिक योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को अनुकरणीय बताया। मुख्य अतिथि डॉ. रणजीत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के आयोजन आज के समय में विरले ही देखने को मिलते हैं। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को ऐसे कार्यक्रमों से प्रेरणा लेकर समाज सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन हास्य कवि धनंजय शाश्वत एवं आशीष मिश्रा (अधिवक्ता) ने किया, जबकि अध्यक्षता रतन सिंह ने की। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन करते हुए पंडित जीत नारायण मिश्रा ने कहा कि वे स्वयं को सौभाग्यशाली मानते हैं कि उनके एक आह्वान पर गांव के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित होते हैं। कार्यक्रम का समापन श्रद्धा सुमन अर्पित कर किया गया। इस अवसर पर ओंकार नाथ, मोती यादव, घनश्याम, राज नारायण मिश्रा, मुन्ना मिश्रा, दीवान मिश्रा, कल्लू सिंह, अभिमन्यु सिंह, राम समुंदर यादव, संतोष राय (पूर्व प्रधानपति), अशोक, भोला, श्यामू मिश्रा सहित सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कान में लीड लगाकर रेलवे लाइन पार कर रहा किसान की ट्रेन के चपेट में आने से हुई मौत

जसरा। प्रयागराज विकास खंड के अमरेहा गांव के सामने खेत की ओर जा रहे किसान की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अमरेहा गांव निवासी सुधीर यादव उर्फ नाटे 30 वर्ष पुत्र रामानंद यादव का रेलवे लाइन के दूसरी ओर खेत व गौशाला है। बुधवार की देर रात वह अपने जानवरों व खेत को देखने के लिए घर से निकला था। रेलवे लाइन को पार करने के दौरान वह कान में लीड लगाए हुए था। जिससे आती हुई ट्रेन की आवाज वह नहीं सुन सका तथा ट्रेन की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई। देर रात लगभग 11:00 बजे जब जसरा स्टेशन का पेट्रोल कर्मी पेट्रोलिंग करते हुए इधर से उधर गया तो युवक की लाश देखकर उसने जसरा स्टेशन पर सूचना दी। इसके बाद घूरपुर पुलिस को सूचना दी गई। गौहनिया चौकी इंचार्ज अनुराग सिंह ने बताया कि परिजनों के तहरीर के अनुसार कान में लीड लगे होने की वजह से वह ट्रेन की आवाज को नहीं सुन सका तथा ट्रेन की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में लगा जनपद स्तरीय कैरियर मार्गदर्शन मेला

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। समग्र शिक्षा माध्यमिक के अंतर्गत कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम के तहत जनपद स्तरीय कैरियर मार्गदर्शन मेला बुधवार को राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (निकट स्वरूप रानी), सिविल लाइंस, प्रयागराज में आयोजित किया गया। मेले में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अधीन संचालित सभी राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के छात्र-छात्राओं, विद्यालयों के कैरियर गाइडेंस नोडल शिक्षक, प्रधानाचार्य एवं बड़ी संख्या में अभिभावकों ने प्रतिभाग किया।

जिला विद्यालय निरीक्षक प्रयागराज पी.एन. सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस कैरियर मार्गदर्शन मेले का शुभारंभ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार, एसआरएन अस्पताल के वरिष्ठ सर्जन डॉ. संतोष सिंह, कुलभास्कर आश्रम पीजी कॉलेज के प्रोफेसर शशिकांत त्रिपाठी एवं सह जिला विद्यालय निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर किया। प्रधानाचार्या नीलम मिश्रा ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। बैज अलंकरण किरण राय, लता कुमारी एवं स्काउट प्रभारी डॉ. आकांक्षा केसरी द्वारा किया गया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। सह जिला विद्यालय निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह ने स्वागत अभिभाषण दिया।

कार्यक्रम में प्रोफेसर एवं कृषि विशेषज्ञ डॉ. शशिकांत त्रिपाठी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जय सिंह, इलाहाबाद उच्च न्यायालय की अधिवक्ता आयुषी गौतम, उत्तर प्रदेश पुलिस के उप निरीक्षक राहुल कुमार, मॉडल करियर सेंटर के काउंसलर डॉ. सुग्रीव सिंह सहित अन्य विषय विशेषज्ञों ने अपने-अपने क्षेत्रों से संबंधित उच्च शिक्षा एवं करियर विकल्पों की नवीन जानकारियां साझा कीं और छात्र-छात्राओं को भविष्य के प्रति प्रेरित किया। वरिष्ठ सर्जन डॉ. संतोष सिंह ने मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार ने कहा कि आज के समय में छात्रों को केवल शैक्षणिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि विभिन्न कौशलों में दक्ष बनाना भी आवश्यक है। इस उद्देश्य से आयोजित कैरियर मेला छात्रों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। पंख पोर्टल प्रभारी डॉ. मधु यादव ने कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके बाद अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने विभिन्न संस्थाओं द्वारा लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन किया। मेले में मनोविज्ञान शाला उत्तर प्रदेश, भारत स्काउट एंड गाइड प्रयागराज, आरके ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, यूनाइटेड ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, यूपी ग्रामीण आजीविका मिशन, रेडियो अड्डा, एचएन सिंह डिग्री कॉलेज, एकेएस यूनिवर्सिटी सतना (मध्य प्रदेश), गणपत यूनिवर्सिटी गुजरात, पारुल यूनिवर्सिटी, लैक्मे सैलून, जन शिक्षण संस्थान, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, पंजाब नेशनल बैंक एवं इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया के स्टॉल प्रमुख आकर्षण रहे। कार्यक्रम में सभी राजकीय विद्यालयों के वोकेशनल ट्रेनर्स ने भी अपने-अपने स्टॉल लगाए। छात्र-छात्राओं और अभिभावकों ने स्टॉल्स का भ्रमण कर विभिन्न करियर विकल्पों की जानकारी प्राप्त की और अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

इस अवसर पर पीपी सिंह, शशिबाला चौधरी, मंजुलेश विश्वकर्मा, सुनील कुमार, मोहम्मद रफीक, ज्योति सिंह, सरिता वर्मा, प्रतिज्ञा चौहान, बीएस यादव, रवि भूषण, केपी सिंह, केके त्रिपाठी, सुषमा गुप्ता, नीलम चतुर्वेदी सहित कई विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं लेखा प्रभारी विनय प्रकाश उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में रश्मि सिंह, डॉ. रंजना यादव, इफ्फत जिया, वंदना, अनीता उत्तम, डॉ. प्रीति मिश्रा, रेखा राम, मंजू श्रीवास्तव, संध्या सैलानी, शुभदर्शिनी सिंह, मनीषा, वंदना पांडे, मृदुला यादव, पुष्पा शुक्ला, ज्योति अग्रवाल, किरण गुप्ता, पल्लवी श्रीवास्तव, रूपाली, क्षमा, कीर्ति पांडेय, चारु एवं समस्त स्टाफ का सहयोग रहा।

आभार प्रदर्शन सह जिला विद्यालय निरीक्षक विजय सिंह ने किया, जबकि कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रभाकर त्रिपाठी द्वारा किया गया।

सांस्कृतिक रंगों में सजा एन.एस.के. इंटर कॉलेज का वार्षिकोत्सव

बारा एसीपी निकिता श्रीवास्तव ने किया शुभारंभ

अखंड भारत संदेश

शंकरगढ़। गुरुवार को शंकरगढ़ स्थित एन.एस.के. इंटर कॉलेज में वार्षिकोत्सव समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सहायक पुलिस आयुक्त (बारा) निकिता श्रीवास्तव ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया।इस अवसर पर एसीपी निकिता श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि संस्कृति, खेल और शिक्षा तीनों का संतुलन ही जीवन को श्रेष्ठ बनाता है। उन्होंने छात्रों से पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक एवं खेल गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने नृत्य, गीत, नाटक और देशभक्ति से ओतप्रोत प्रस्तुतियों के माध्यम से मंच को जीवंत कर दिया। एक से बढ़कर एक मनमोहक कार्यक्रमों ने उपस्थित अतिथियों और अभिभावकों का मन मोह लिया, जिससे पूरा परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।कार्यक्रम के समापन अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक संतोष त्रिपाठी ने विद्यार्थियों को जीवन में सफल और उन्नत बनने के लिए हर क्षेत्र में सक्रिय भागीदारी की प्रेरणा दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रताप बहादुर सिंह, प्रदीप सिंह, प्रधान राममिलन, हीरालाल चौरसिया, पंकज श्रीवास्तव, देवराज कुशवाहा, इमरान अहमद, आभा मिश्रा, रेखा सिंह, रीता सुपारी, रीना गोस्वामी, हेमराज मिश्रा, शिक्षकगण विजय शंकर मिश्र, ज्ञानेंद्र मिश्रा, अशोक त्रिपाठी, उत्तम सिंह बघेल, दीपक विश्वकर्मा, प्रदीप मिश्रा, कमलाकर सिंह, पुष्पराज सिंह, राजेश सिंह, संदीप सिंह, एल.एन. वर्मा, शिवेंद्र सिंह, अनिल कुमार, रोहित सिंह तथा शिक्षिकाएं कामिनी सिंह, अनीता सिंह, अर्चना सिंह, माया सिंह, सोनाली पांडे, हीरा पांडे सहित समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई ढाई हजार किलो लहन 150 लीटर कच्ची शराब बरामद

करछना। प्रयागराज के यमुनानगर क्षेत्र के करछना थाना क्षेत्र के खाई और कैथी गांव में आबकारी विभाग की गुरुवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रयागराज आबकारी आयुक्त के निर्देशन में सहायक आयुक्त सुनील कुमार के साथ आबकारी विभाग की पुलिस टीम सुबह 8 बजे मुखबिर की सुचना पर खाई और कैथी गांव पहुंची और गांव के बीचों-बीच स्थित तालाब और मकान में लहन और कच्ची शराब की तलाश करते हुए ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई जहां लगभग ढाई हजार किलो लहन और डेढ सौ लीटर कच्ची शराब बरामद की गई है जिसके बाद कच्ची शराब का कारोबार करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है आबकारी विभाग की इस ताबड़तोड़ कारवाई से कच्ची शराब के माफियाओं ने घरों से फरार हो गए जिससे किसी गिरफ्तारी नहीं हुई आबकारी विभाग के अधिकारियों ने छापेमारी के पश्चात चिह्नित किए गए माफियाओं के के खिलाफ कार्रवाई करते हुए लिखापढ़ी करते हुए टीम गठित कर जल्द पूरे प्रकरण में शामिल अभियुक्तों पर टीम नकेल कसने का कार्य शुरू किया गया है।

हम हैं कैडर के लोग, हमारी पहचान चनेथू के चमन से है : राजेंद्र शुक्ल लीडर

जंघई। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी कैडर प्रतीक स्थल चनेथू शुक्लान, जंघई में वरिष्ठ समाजसेवी राजेंद्र शुक्ल लीडर द्वारा गणतंत्र दिवस मनाया गया ध्वजारोहण के पश्चात राष्ट्रगान का आयोजन किया गया। भारत माता की जयकारे के साथ वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पवित्र तिरंगे को सलामी दी गई। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए राजेंद्र शुक्ल लीडर ने कहा कि भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद, सुभाष चंद्र बोस, मंगल पांडेय जैसे वीर शहीदों का जीवन संघर्ष हमें सदैव प्रेरणा देता रहेगा। आज हम गणतंत्र दिवस मना रहे हैं तो इसके पीछे वीर जवानों का बलिदान ही है मैं उन वीर जवानों को नमन और श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। आज ही के दिन 26 जनवरी 1950 को हमारे देश में संविधान लागू हुआ था और हम भारतीयों को गर्व करना चाहिए कि हमारा संविधान विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान हैं। इंजीनियर अशोक शुक्ल ने कहा कि आज का यह दिन भारत का एक राष्ट्रीय पर्व है यह दिन हर भारतवासियों के लिए गौरवशाली दिन है जिसे सभी भारतीय धूमधाम से मनाते हैं। देश को आजादी दिलाने में शहीद हुए वीर जवानों को नमन और श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस अवसर पर बाबूल नाथ शुक्ल, शारदा शुक्ल, चिंटू शुक्ल, दिलवर प्रजापति सहित तमाम ग्रामवासी मौजूद रहे।

कुओं का उपयोग बंद, हैंडपंप और समरसेबल के आदी हुए लोग

पी सी पाण्डेय

बारा। जसरा विकासखंड के अधिकांश ग्राम सभा मजरे से जुड़ा हैं।अगर एक मजरे में औसतन 3 कुएँ मानें, तो क्षेत्र में 100से भी अधिक कुएँ मौजूद हैं। लेकिन अफसोस, इन कुओं का उपयोग अब लगभग बंद हो चुका है। लोग अब हैंडपंप और समरसेबल के आदी हो गए हैं। मजे की बात यह है कि ग्राम पंचायत निधि से कुओं की मरम्मत, सफाई और सौंदर्यीकरण के लिए बजट आवंटित होता है, लेकिन यह सब केवल कागजों तक ही सीमित है।क्या पारंपरिक जलस्त्रोतों की उपेक्षा एक गंभीर जल संकट को जन्म दे रही है। सरकार और स्थानीय लोगों को इस पर जागरूकता और ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

समाधान और सुझाव, नियमित सफाई और मरम्मत

जन प्रतिनिधियों को सक्रिय भूमिका निभाते हुए कुओं और तालाबों की नियमित सफाई और मरम्मत सुनिश्चित करनी चाहिए। सामुदायिक सहभागिताः स्थानीय समुदाय को जागरूक करके उन्हें इन जलस्त्रोतों के संरक्षण में शामिल करना आवश्यक है। विकास योजनाओं में समावेशः सरकारी विकास योजनाओं में कुओं और तालाबों के संरक्षण को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। कानूनी संरक्षणः जलस्त्रोतों की उपेक्षा या उन्हें नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए।गांवों के कुएं और तालाब हमारी सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर हैं।

धार्मिक दृष्टि से कुओं का था विशेष महत्व

धार्मिक दृष्टि पहले कुओं और जलासायों का विशेष महत्व होता था। जल को देवता मान कर जल स्त्रोतों की पूजा की जाती है। पहले शादी विवाह के समय घाटों की पूजा करने के बाद ही आगे का कार्यक्रम होता था ।कथा भागवत आदि में भी कुओं की पूजा और उनके जल का उपयोग होता था ।इसके अलावा कुएं से सिंचाई , पेयजल, शादी विवाह के समय पानी का उपयोग आदि में भी कुओं की ही महत्वपूर्ण भूमिका होती थी। लेकिन अब स्थितियां बदल चुकी हैं। इनका संरक्षण न केवल जल संकट से निपटने में सहायक होगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक समृद्ध विरासत भी छोड़ जाएगा। अतः, जन प्रतिनिधियों और स्थानीय समुदाय को मिलकर इन जलस्त्रोतों के पुनरुद्धार के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए।

किराए के मकान में चल रहा था सेक्स रैकेट, लेडी सरगना समेत आठ गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कीडगंज थाना क्षेत्र में किराए के मकान में चल रहे सेक्स रैकेट का पुलिस ने खुलासा किया है। कार्रवाई में रैकेट की सरगना महिला समेत चार महिलाएं और चार पुरुष गिरफ्तार किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, यह गिरोह पिछले करीब चार महीनों से सक्रिय था और मकान के भीतर कैमरे लगाकर अवैध गतिविधियां संचालित की जा रही थीं।

पुलिस को काफी समय से कीडगंज के माधवपुर इलाके में स्थित एक मकान में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिल रही थी। मोहल्ले के लोगों ने भी यहां युवक-युवतियों के लगातार आने-जाने की शिकायत की थी। बुधवार को एक बार फिर सूचना मिलने पर एसीपी कर्नलगंज राजीव यादव के नेतृत्व में कीडगंज इंस्पेक्टर वीरेंद्र सिंह की टीम ने छापेमारी की।

आपत्तिजनक हालत में मिले युवक-युवतियां

छापेमारी के दौरान मकान के अंदर चार महिलाएं और चार युवक मौजूद मिले। इनमें से कुछ आपत्तिजनक हालत में थे। मौके से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई। सभी को थाने लाकर पूछताछ की गई, जिसके बाद पूरे नेटवर्क का खुलासा हुआ।

धूमनगंज की महिला निकली सरगना

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि पकड़ी गई महिलाओं में से एक महिला धूमनगंज क्षेत्र की रहने वाली है, जो इस पूरे रैकेट की सरगना है। उसी ने 7,000 रुपये मासिक किराए पर मकान लिया था और बीते चार महीनों से वहां अवैध गतिविधियां संचालित कर रही थी।मकान मालिक उसी मकान में अपने परिवार के साथ रहता था, लेकिन उसे इस गोरखधंधे की जानकारी नहीं थी। आरोपी महिला युवक–युवतियों को अपना पारिवारिक सदस्य बताकर मकान मालिक को गुमराह करती रही।

स्थानीय ग्राहक, अलग-अलग इलाकों के निवासी

पुलिस के अनुसार, पकड़ी गई तीन महिलाएं प्रयागराज की ही रहने वाली हैं। वहीं गिरफ्तार चारों युवक ग्राहक बताए जा रहे हैं, जो शहर के विभिन्न मोहल्लों के निवासी हैं। गिरफ्तार युवकों में साहिल, मोईन, गोविंद ओझा और इंद्रजीत शामिल हैं।

पहले भी हो चुका है खुलासा

गौरतलब है कि कीडगंज इलाके में इससे पहले भी करीब 24 दिन पूर्व एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया गया था। उस मामले में एक आईएएस अधिकारी के मकान में चल रहे रैकेट का खुलासा हुआ था, जहां से चार महिलाओं और पांच युवकों को गिरफ्तार किया गया था।

अनैतिक देह व्यापार अधिनियम में केस

एसीपी कर्नलगंज राजीव यादव ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार (निवारण) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया जा रहा है। सभी को गुरुवार को न्यायालय में पेश किया जाएगा। साथ ही पुलिस यह भी जांच कर रही है कि गिरोह के तार किसी बड़े नेटवर्क से तो नहीं जुड़े हैं।

ज्वेलरी शॉप का शटर काटकर 34 लाख के गहनों पर हाथ साफ सीसीटीवी में कैद हुई वारदात

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। मीरगंज इलाके में चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया है। यहां एक आभूषण की दुकान का शटर काटकर अज्ञात बदमाश ने करीब 34 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर लिए। पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका फुटेज अब सामने आया है।

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि बदमाश रात के अंधेरे में दुकान के भीतर घुसता है और मोबाइल फोन की रोशनी में आराम से जेवरात निकालता है। वह एक-एक गहने को ध्यान से देखता है और महंगे गहनों की पहचान कर उन्हें अलग करता नजर आता है। इसके बाद बदमाश गहनों को बाक्स से निकालकर एक झोले में भरता है। पूरी वारदात के दौरान वह पूरी तरह बेखौफ दिखाई देता है और काफी समय तक दुकान में रुका रहता है।

घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। दुकान संचालक की तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाश की पहचान की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार किया जाएगा।

फिलहाल इलाके में इस चोरी की घटना से व्यापारियों में दहशत का माहौल है। पुलिस ने आसपास के दुकानदारों से भी सतर्क रहने की अपील की है।

न्यूज झरोखा

13 वर्षीय आयुष के हत्या के विरोध में जारी में व्यापारियों व समाजसेवियों ने कैंडल मार्च निकाल कर जताया रोष

जारी। चित्रकूट के बरगढ़ में आयुष केसरवानी के अपहरण और निर्मम हत्या के विरोध में गुरुवार की शाम 7 बजे प्रयागराज व्यापार मंडल जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र केसरवानी (बबलू)के तत्वाधान में जारी बाजार गड़ैया कला राम लीला मैदान से नहर चौराहे तक समाजसेवियों और व्यापारियों ने न्याय की मांग को लेकर रोष जताया है। उन्होंने शांति सभा का आयोजन कर दोषियों पर कठोरतम कार्रवाई की मांग की है।दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग क्षेत्र के जारी बाजार में बड़ी संख्या में समाजसेवी और व्यापारी एकत्र हुए। उन्होंने मासूम की जघन्य हत्या पर गहरा रोष व्यक्त किया। श्रद्धांजलि सभा में मौजूद लोगों ने कहा कि इस नृशंस हत्या ने पूरे समाज को झकझोर दिया है और हर माता-पिता के मन में असुरक्षा का भाव पैदा कर दिया है। व्यापारियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में कहा कि ऐसी घटनाओं पर केवल शोक व्यक्त करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई आवश्यक है। उन्होंने सरकार और प्रशासन से मांग की कि अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार कर ऐसी सख्त सजा दी जाए जो समाज में उदाहरण बने। साथ ही, अपराधियों की अवैध संपत्तियों पर बुलडोजर चलाकर यह स्पष्ट संदेश दिया जाए कि अपराध करने वालों के लिए इस समाज में कोई स्थान नहीं है। कैंडल मार्च श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से शिव प्रसाद केसरवानी, राजा राम सोनी, बीरेंद्र जी जायसवाल , शंकर लाल केसरवानी, राम बाबू केसरवानी जसरा, अशोक केसरवानी , सरोज केसरवानी, अनीश केसरवानी ,मिश्रिलाल केसरवानी , संतोष केसरवानी सुधांशु गुप्ता ,बृजेश गुप्ता, सुरेन्द्र जायसवाल , अंकुर केसरवानी, नेता अग्रहरि , अजय केसरवानी , अमित पांडेय , सिंटू केसरवानी, राजू केसरवानी , अनीश केसरवानी आदि रहे।

विमान हादसे में पायलटों की जान बचाने वाले तीन युवकों को डीएम ने किया सम्मानित, एक लाख की दी प्रोत्साहन राशि

प्रयागराज। विद्यावाहिनी स्कूल के पास तालाब में प्रशिक्षण के दौरान गिरे विमान के दोनों पायलटों की जान बचाने वाले तीन युवकों को गुरुवार को जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने सम्मानित किया। संगम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पंकज सोनकर, लाल साहब निषाद और आलोक यादव को जिला खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति के अंतर्गत प्रोत्साहन स्वरूप एक लाख रुपये की धनराशि भेंट की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि इन युवकों द्वारा दिखाया गया साहस, सूझबूझ और मानवता समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत है। ऐसे कार्य न केवल मानवीय मूल्यों को मजबूत करते हैं, बल्कि आपात परिस्थितियों में दूसरों की मदद करने का संदेश भी देते हैं। उन्होंने कहा कि इस साहसिक कार्य से जनपद प्रयागराज की छवि गौरवान्वित हुई है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पूर्व विद्यावाहिनी स्कूल के समीप स्थित तालाब में प्रशिक्षण के दौरान एक ट्रेनी विमान गिर गया था। हादसे में विमान में सवार दोनों पायलटों की जान खतरे में पड़ गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास मौजूद स्थानीय नागरिक मौके पर पहुंचे। इस दौरान पंकज सोनकर, लाल साहब निषाद और आलोक यादव ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए तत्काल तालाब में उतरकर दोनों पायलटों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे उनकी जान बच सकी। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन पूजा मिश्रा, नगर मजिस्ट्रेट विनोद कुमार सिंह, क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी, उप क्रीड़ाधिकारी सहित अन्य अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रशासन की ओर से तीनों युवकों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके योगदान की सराहना की गई।

मांडा खास में साहू समाज की बैठक सम्पन्न,

मांडा। आदर्श बाल विद्या मंदिर मांडा परिसर में साहू समाज का एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री राजा विश्वनाथ प्रताप सिंह की कोठी राज महल के पास हुए इस कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मनोज मुसाफिर साहू ने किया। गाजीपुर निवासी मनोज मुसाफिर साहू, जो साहू समाज के लिए सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वाले के रूप में जाने जाते हैं, का स्वागत माल्यार्पण कर किया गया। बहराइच से शैलेश साहू भी अपने साथियों के साथ कार्यक्रम में उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने मंच से सामाजिक संघर्ष के मूल सिद्धांतों और अधिकारों पर प्रकाश डाला और समाज को सामाजिक न्याय, शिक्षा तथा राजनीति में बढ़-चढ़कर भागीदारी लेने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर लीलावती गुप्ता, दुर्गा प्रसाद गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, दीना नाथ गुप्ता, अभिषेक गुप्ता, तेज बहादुर गुप्ता, सुषमा गुप्ता, संगीता गुप्ता, संतोष मौर्या, अशोक मौर्या, गोपाल दास गुप्ता, शशिकांत मौर्या एडवोकेट, साजन सोनकर, आशीष गुप्ता, आकाश गुप्ता, भरत लाल गुप्ता, मुरलीधर गुप्ता, प्रदीप गुप्ता एडवोकेट अमित गप्ता चंटकांत गप्ता संजय गप्ता, विष्णु कांत गुप्ता एडवोकेट आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

आक्रोशित आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों ने डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन।

फाफामऊ। आंगनवाड़ी और सहायिकाओं ने शासन स्तर पर कई वर्षों से लबित मांगों को लेकर प्रदेश नेतृत्व के आवाहन पर बृहस्पतिवार को प्रयागराज जनपद के विभिन्न ब्लॉकों से हजारों की संख्या में जुटी आंगनवाड़ी और सहायिकाओं ने पीडब्लू कार्यालय से जुलूस निकाल कर नारेबाजी करते हुए विकास भवन होकर डीएम कार्यालय पहुंची जुलूस का नेतृत्व संघ के मंडल सत्तरक्षक संतोष मिश्र जिला संरक्षक मौजी लाल रावत एवं श्रमिक नेता प्रदेश प्रभारी श्याम सूरत पांडेय ने करते हुए केंद्र सरकार एवं प्रदेश की योगी सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि वर्तमान सरकारें आंगनवाड़ियों से काम ज्यादा ले रही है लेकिन काम के बदले इन्हें उचित दाम नहीं दे रही है इससे आंगनवाड़ियों में गहरी नरंगी है। उपरोक्त नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री यदि 8 मार्च के पहले मांग पत्रों गंभीरता पूर्वक लागू नहीं किए तो अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सभी आंगनवाड़ी और सहायिकाएं संयुक्त मोर्चा के बैनर तले लखनऊ पहुंच कर बड़ा आंदोलन करने पर बाध्य होंगी। आंगनवाड़ियों की प्रमुख मांग है कि इन्हें सरकारी कर्मचारी घोषित किया जाए इन्हें न्यूनतम बेतन के साथ पेंशन और ग्रेच्युटी का लाभ दिया जाए कई बार सरकार ने वादा किया किंतु सरकार अपने वादे से मुकर जा रही है अब सरकार से आर पार की लड़ाई लड़ने के लिए गीतांजी मौर्य ने संयुक्त मोर्चा बनाकर लंबी लड़ाई लड़ने की योजना बनाई है जिसमें सभी आंगनवाड़ी और सहायिकाएं लाम बंद हो गई है। इस मौके पर उठा,शंकर गढ़,मंडा, कौंधियारा,फूलपुर,होलागढ़,मऊआइमा, कौड़ीहार जसरा, मेजा सोराँव, बहरिया , धनुपुर, बहादुर पुर, चाका, हंडिया, कोराँव सहित आदि ब्लाकों की हजारी आंगनवाड़ी और सहायिकाएं मौजूद रही।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा यूजीसी कानून पर रोक लगाने पर योगेश ठाकुर ने बांटी मिठाई

जंघई। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा लागू किए गए नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने के बाद क्षेत्र के सवर्णों में खुशी का माहौल है, इस फैसले को लेकर युवाओं और सामाजिक संगठनों ने संतोष व्यक्त किया है और इसे शिक्षा व्यवस्था के हित में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। आराखुर्द, प्रतापपुर निवासी योगेश ठाकुर ने बुधवार को यूजीसी कानून के विरोध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने खून से पत्र लिखा था गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने पर योगेश ठाकुर ने खुशी जताते हुए सवर्ण युवा समाज के सदस्यों के साथ एकत्र होकर एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और बधाई दी। उपस्थित लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय का स्वागत किया। सदस्यों ने कहा कि यूजीसी के नए नियमों ने छात्रों, शिक्षकों और शैक्षणिक संस्थानों में असमंजस और चिंता का माहौल पैदा कर दिया था ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सभी के लिए राहत लेकर आया है। सवर्ण युवा समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि न्यायपालिका का यह निर्णय दशार्ता है कि छात्रों के अधिकारों और उनके भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी सभी पक्षों की सहमति से ही कोई भी निर्णय लिया जाएगा। सभी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यूजीसी के नए नियम छात्रों, शिक्षकों और शैक्षणिक संस्थानों के लिए भ्रम और असुरक्षा पैदा कर रहे थे। उन्होंने इस रोक को एक सराहनीय और दूरदर्शी फैसला बताया, जो छात्रों के भविष्य और शिक्षा की गुणवत्ता को ध्यान में रखकर लिया गया है। आशा व्यक्त की कि आगे कोई भी नियम सभी पक्षों से विचार-विमर्श के बाद ही लागू किया जाएगा, ताकि शिक्षा व्यवस्था मजबूत और न्यायसंगत बनी रहे।

करछना में सराफा कारोबारियों को लूटने वाले दो शातिर बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

प्रयागराज। करछना पुलिस व एसओजी की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए। हरेई और बेन्दो बॉर्डर के पास बुधवार की रात दो बदमाशों से पुलिस और एसओजी टीम की मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में दोनों को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से लूट के सर्फेद धातु के आभूषण, दो मोटरसाइकिल, एक अवैध देशी तमंचा व एक खोखा कारतूस, एक देशी पिस्टल, मैग्जीन .32 बोर, दो कारतूस जिन्दा व एक खोखा कारतूस .32 बोर बरामद किया गया है। के एसीपी करछना सुनील सिंह ने बताया कि करछना मझुआ नहर के पास चन्दन सोनी को मोटरसाईकिल से गिराकर सोने-चांदी के बैंग लूटना और विरोध करने पर आरोपियों ने चन्दन सोनी को गोली मारकर घायल कर देने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके अलावा ग्राम तेवरिया की पुलिया पर महिला कविता विश्वकर्मा की स्कूटी, चांदी और नगदी लूटने के मामले में मुकदमा दर्ज किया गया था। दो सराफा कारोबारियों से तमंचे के बल पर लाखों रुपये मूल्य के जेवरात लूटने वाले गिरोह के दो बदमाशों को पुलिस ने बुधवार की रात मुठभेड़ में गिरफ्तार किया। पैर में गोली लगने से घायल दोनों बदमाशों को सीएचसी करछना भरती कराया गया। वहीं एक पुलिसकर्मी भी आपाधापी में गिरकर चोटिल हो गया। हालांकि, गिरोह के दो अन्य बदमाश अंधेरे का लाभ उठाते हुए बाइक छोड़कर फरार हो गए। गिरफ्तार बदमाशों के पास से चांदी के आभूषण, दो बाइक, एक देशी तमंचा, एक देशी पिस्टल समेत कारतूस बरामद किया गया है। एसीपी करछना सुनील सिंह ने बताया कि जनवरी में स्कूटी सवार महिला सर्राफ कविता विश्वकर्मा के साथ तेवरिया की पुलिया के समीप बदमाशों ने चांदी के जेवरात और नगदी लूट लिया था। बेंदो बॉर्डर पर पुलिया के पास संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। इसी बीच दो बाइक पर चार संदिग्ध युवक आते दिखे। पुलिस टीम को देख बाइक की गति तेज करते हुए मुंगारी-पनासा रोड की तरफ भागने लगे। करछना पुलिस व एसओजी यमुनानगर ने पीछा करते हुए घेराबंदी की, तो हड़बड़ाहट में बाइक अनियंत्रित होने से बदमाश गिर गए और पैदल भागने लगे। खुद को घिरता देखकर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में पप्पू सोनकर और अरविंद सोनकर निवासी सोहबतियाबाग पैर में गोली लगने से घायल होकर गए। जबकि, दो अन्य बदमाश विवेक व उमेश फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, पप्पू सोनकर पर प्रयागराज के विभिन्न थानों में पहले से 15 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस गिरोह के फरार दो अन्य बदमाशों की तलाश में जुटी है। गिरफ्तार आरोपियों में पप्पू सोनकर की क्राइम हिस्टरी पुरानी और गंभीर है। उस पर अआम्स एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, अबकारी अधिनियम, बीएनएस के तहत शिवकुटी, जार्ज टाउन और कर्नलगंज थानों में कुल 15 मकदमे दर्ज हैं। इस कारेर्वाई में थाना करछना पुलिस टीम से प्रभारी निरीक्षक अनूप सरोज, उपनिरीक्षक शैतान सिंह, दीपक भाटी, अरुण कुमार शुक्ला, दर्शन सिंह और कांस्टेबल प्रदीप कुमार पाल शामिल थे। एसओजी यमुनानगर जोन टीम में उपनिरीक्षक नवीन कुमार सिंह और कांस्टेबल शशिकांत यादव, रंजीत यादव, अजय सिंह, मनोज यादव, जसवीर सिंह, दीपक सिंह ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

यूजीसी एक्ट के विरोध में मेजा तहसील में सवर्ण आर्मी के लोगों ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन पत्र

कहा – यदि यह काला कानून वापस नहीं किया गया तो होगा उग्र आंदोलन,जिसकी जिम्मेदार होगी सिर्फ और सिर्फ भाजपा सरकार

अखंड भारत संदेश

मेजा। यूजीसी एक्ट को लेकर मेजा विधानसभा में सवर्ण आर्मी यमुनापार जिलाध्यक्ष आनन्द द्विवेदी के नेतृत्व मे सैकड़ो सवर्णों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए तहसील का किया घेराव किया और राज्यपाल को संदर्भित ज्ञापन एसडीएम मेजा सुरेंद्र प्रताप यादव को सौंपा और भाजपा सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि यूजीसी एक्ट में कोई ऐसा प्रावधान जोड़ा गया जिसमे जातियों में भेदभाव हो और खासकर सवर्ण समाज के युवा को विश्वविद्यालय में प्रवेश के साथ ही दोषी मान लिया जाये तो ऐसे किसी कानून को समाज में किसी भी हाल में लागू नहीं होने दिया जायेगा। प्रदर्शन में सैंकड़ो लोगों ने अपने विचार से सरकार के द्वारा जारी इस संसोधन की कड़ी आलोचना की जिला संरक्षक आशीष पांडे बलराम जिला सचिव प्रदीप तिवारी उर्फ चंचल जिला संपर्क प्रमुख आचार्य बैकुंठ नाथ जी महाराज विंध्याचल ब्राह्मण स्वयं सेवक संघ की काशी प्रांत के अध्यक्ष शिवकेश द्विवेदी जिला सचिव विधानसभा मेजा संयोजक जयप्रकाश मिश्रा विधानसभा अध्यक्ष मेजा अंजय केसरवानी विधानसभा उपाध्यक्ष सुनील कुमार मिश्रा नितेश मिश्रा अधिवक्ता बंधु पूर्व बार अध्यक्ष तुलसीदास तिवारी वर्तमान मंत्री अतुल वैभव द्विवेदी पूर्व मंत्री दिनेश द्विवेदी अधिवक्ता रंजय तिवारी मयंक मिश्रा आनंद श्रीवास्तव प्रदीप तिवारी रिशु पांडे रोहित पांडे सत्यम पांडे अधिवक्ता साथी अमरीश मिश्रा अंकित ने करते हुए कहा कि यदि यह काला कानून वापस नहीं हुआ तो उग्र आंदोलन किया जाएगा जिसकी जिम्मेदार सिर्फ और सिर्फ भाजपा सरकार होगी। मेजा बार के अधिवक्ताओ ने भी इस कानून के विरोध मे शामिल होकर सवर्णों के खिलाफ लाये गए काला कानून को वापस लेने के लिए सवर्ण आर्मी का समर्थन किया है।

मिस एवं मिसेज क्वीन प्रतियोगिता में फर्स्ट रनरअप अवार्ड जीतकर इना फ्लोरा ने रचा इतिहास

इना फ्लोरा सिंह की इस कामयाबी पर परिवार में है जश्न का माहौल,नैनी के डांडी स्थित जीवन ज्योति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के डायरेक्टर डॉ आरपी पांडेय ने दी बधाई किया उज्जवल भविष्य की कामना कहा इना फ्लोरा ने इंस्टीट्यूशंस के साथ साथ पूरे प्रयागराज का नाम किया है रोशन

मेजा। नैनी के डांडी दभौन स्थित जीवन ज्योति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की वाइस प्रिंसपल इना फ्लोरा सिंह ने क्रिएटिव आई फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित मिस एवं मिसेज उत्तर प्रदेश क्वीन ऑफ एक्सीलेंस प्रतियोगिता 2026 के तीसरे सीजन में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से फर्स्ट रनरअप का खिताब जीतकर न सिर्फ इंस्टीट्यूशंस का नाम रोशन किया है बल्कि क्षेत्र और परिवार के साथ साथ पूरे प्रयागराज एवं प्रदेश का गौरव भी बढ़ाया है। इना के इस सफलता पर परिवार और जीवन ज्योति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस परिवार में जश्न का माहौल है।

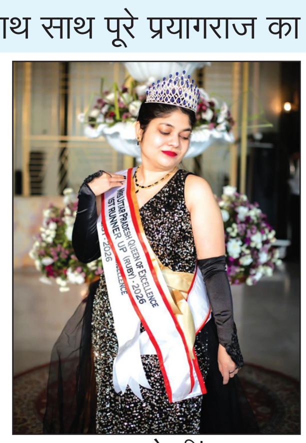

इना फ्लोरा सिंह

उल्लेखनीय है कि नैनी के उत्तरांचल कालोनी निवासी इना फ्लोरा सिंह एमएससी नर्सिंग की डिग्री धारक हैं और वर्तमान में नैनी के डांडी में स्थित जीवन ज्योति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में बतौर वाइस प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत हैं। गौरतलब है कि स्वयं के आत्मविश्वास से भरी इना फ्लोरा ने गत दिनों लखनऊ में आयोजित उक्त प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर शानदार एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जजों को प्रभावित किया और उक्त खिताब जीतने जीतने में कामयाबी हासिल किया है। इतना ही नहीं इंस्टीट्यूशंस की लेडी सिंघम इना फ्लोरा सिंह को उनके उत्कृष्ट परफॉर्मेंस पर जजेज कमेटी द्वारा उन्हें मिसेज चार्मिंग और बेस्ट इंट्रोडक्शन का भी अवॉर्ड प्राप्त हुआ है। इना फ्लोरा के इस कामयाबी पर सगे संबंधियों परिवार जनों तथा जीवन ज्योति ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस परिवार में जहां जश्न का माहौल है वहीं इंस्टीट्यूशंस के डायरेक्टर डॉ आरपी पांडेय और अमर ज्योति नर्सिंग होम के प्रबंधक डा के.के. शुक्ला सहित कई अन्य लोगों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बधाई दिया है।

अविद्युतीकृत मजरों में बिजली पहुंचाने की योजना की डीएम ने की समीक्षा, जनप्रतिनिधियों से सहयोग लेने के निर्देश

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में गुरुवार को संगम सभागार में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ भारत सरकार की योजना आरडीएसएस-यूईएचएच के तहत अविद्युतीकृत घरों में विद्युत तंत्र का निर्माण कर संयोजन उपलब्ध कराने की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने योजना की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि योजना के अंतर्गत जनपद प्रयागराज के 929 मजरों में विद्युतीकरण किया जाना है तथा 19,461 आवासों में विद्युत कनेक्शन निर्गत किए जाने का लक्ष्य निर्धारित है। अब तक 316 मजरों में विद्युतीकरण का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जबकि 186 मजरों में कार्य प्रगति पर है। इन मजरों में 10,754 संयोजन दिए जाने थे, लेकिन अभी तक केवल 5,902 आवेदन ही प्राप्त हुए हैं। वहीं 424 मजरों में अभी तक विद्युतीकरण का कार्य शुरू नहीं हो सका है, क्योंकि वहां कनेक्शन के लिए आवेदन प्राप्त नहीं हुए हैं।

जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि शेष आवासों में विद्युत संयोजन के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया जाए। इसके लिए ग्राम प्रधानों और जनप्रतिनिधियों का सहयोग लिया जाए। उन्होंने जिला पंचायतीराज अधिकारी के माध्यम से ग्राम प्रधानों और ग्राम सचिवों को पत्र भेजकर संवाद स्थापित करने के निर्देश भी दिए।

बैठक में विद्युत बिल राहत योजना-2025 की भी समीक्षा की गई। यह योजना घरेलू उपभोक्ताओं (दो किलोवाट तक) और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं (एक किलोवाट तक) के लिए एक दिसंबर 2025 से लागू है। योजना तीन चरणों में संचालित की जा रही है, जिसमें उपभोक्ताओं को नवंबर 2025 तक के विद्युत बिल पर लगे ब्याज में शत-प्रतिशत छूट दी जा रही है। इसके अलावा मूल धनराशि में पहले चरण में 25 प्रतिशत, दूसरे चरण में 20 प्रतिशत और तीसरे चरण में 15 प्रतिशत की छूट का प्रावधान है। समीक्षा में पाया गया कि यमुनापार और गंगापार क्षेत्र में कुल 3,74,927 उपभोक्ताओं का पंजीकरण कराया जाना है, लेकिन 28 जनवरी 2026 तक केवल 90,850 उपभोक्ताओं ने ही पंजीकरण कर योजना का लाभ लिया है। इस पर जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को शेष उपभोक्ताओं का शीघ्र पंजीकरण कराने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, मुख्य अभियंता (वितरण) प्रयागराज क्षेत्र-द्वितीय अशोक कुमार, अधीक्षण अभियंता विद्युत वितरण मंडल प्रथम प्रयागराज लोकेश चंद्र सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

UGC के नए नियमों के विरोध में राष्ट्रीय परशुराम सेना का धरना, प्रधानमंत्री को भेजा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा लागू किए गए नए नियमों के विरोध में राष्ट्रीय परशुराम सेना (ब्रह्मवाहिनी) के आह्वान पर बुधवार को पत्थर गिरिजाघर, सिविल लाइंस में शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. विमल तिवारी के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और सवर्ण समाज के लोग शामिल हुए।

धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि यूजीसी के नए नियम देश की शिक्षा व्यवस्था, शिक्षकों और छात्रों के हितों के विपरीत हैं। इससे उच्च शिक्षण संस्थानों की स्वायत्तता प्रभावित हो रही है और सामाजिक संतुलन पर भी प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि बिना सभी पक्षों से संवाद किए ऐसे निर्णय लेना न्यायसंगत नहीं है।राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. विमल तिवारी ने कहा कि यूजीसी का यह नियम शिक्षा सुधार नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था पर सीधा आघात है। यह योग्य छात्रों और शिक्षकों के भविष्य के साथ अन्याय है, जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इन नियमों से समाज के एक वर्ग को अप्रत्यक्ष रूप से निशाना बनाया जा रहा है, जिससे शिक्षण संस्थानों में तनाव और असंतोष का माहौल बन सकता है।

अन्य वक्ताओं ने कहा कि नीतियां संवाद के माध्यम से बननी चाहिए, न कि थोपकर। यदि समय रहते इस नियम को वापस नहीं लिया गया तो सामाजिक असंतुलन बढ़ेगा, जिसकी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।धरना-प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन प्रयागराज मंडल के आयुक्त के माध्यम से भेजा गया, जिसमें यूजीसी के नए नियमों को तत्काल प्रभाव से वापस लेने की मांग की गई।कार्यक्रम में जगद्गुरु स्वामी रामानुजाचार्य योगेश्वरचार्य जी महाराज ने भी सहभागिता की और कहा कि यदि सरकार ने समय रहते निर्णय नहीं लिया तो संत समाज भी आंदोलन में शामिल होगा।

धरने में संरक्षक पं. जगत प्रसाद मिश्र, राष्ट्रीय सचिव अशोक पांडे, प्रदेश सचिव मनीष पांडे, जिला अध्यक्ष कुंवर जी तिवारी, जिला अध्यक्षा द्वारिका भारद्वाज, जिला प्रवक्ता सुनीता मिश्रा, विधि प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष गणेश शंकर शुक्ला, काशी प्रांत अध्यक्ष विवेक दुबे, महासचिव अनूप शुक्ला सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विद्यालय परिसर में मरणासन्न मिली महिला, पति गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

लालगंज। कोतवाली क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय परिसर में महिला के मरणासन्न मिलने की घटना से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मरणासन्न लहूलुहान महिला को इलाज के लिए अस्पताल भेजवाया। वहीं घटना की छानबीन में पुलिस पति द्वारा वारदात को अंजाम दिये जाने का दावा कर रही है। पति को गिरफ्तार कर पुलिस पूछताछ में जुटी है। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय पूरे मीतन जगन्नाथपुर में गुरूवार की सुबह शिक्षक मनोज वर्मा ने विद्यालय का ताला खोला तो परिसर में एक महिला को मरणासन्न लहूलुहान पड़े देख आवाक रह गया। उसने इसकी सूचना प्रधान व पुलिस को दी। पुलिस की छानबीन में महिला के पास से मिले आधार कार्ड से उसकी शिनाख्त संग्रामगढ़ थाना क्षेत्र के पूरे चिरंजीव धनगढ़ गांव की निशा सरोज 22 पुत्री मेवालाल सरोज के रूप में हुई। पुलिस घायल महिला को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर लालगंज ले आयी। यहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने घायल महिला को सरकारी अस्पताल प्रयागराज रेफर कर दिया। इधर घटना की छानबीन में जुटी पुलिस महिला के पति को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। सीओ आशुतोष मिश्र ने बताया कि महिला का पति से विवाद चल रहा है। कई माह से वह मायके में रह रही थी। छानबीन में पति द्वारा घटना को अंजाम दिये जाने की बात सामने आ रही है। आरोपी पति को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

यूजीसी के नये नियमों पर सुप्रीम कोर्ट की रोक मोदी सरकार पर तमाचा : प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

लालगंज। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने यूजीसी के नए नियमों इक्विटी रेगुलेशन 2026 पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा तत्काल प्रभाव से रोक लगाए जाने के अंतरिम निर्णय को स्वागत योग्य कहा है। उन्होने कहा कि इस अंतरिम रोक से यह स्पष्ट हो गया है कि विशेषज्ञों एवं स्कालर्स की एक समिति बने और तब तक यूजीसी के पुराने नियम ही लागू रहेंगे। विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि भाजपा सरकार बांटो और राज करो की तर्ज पर अंग्रेजी हुकूमत की तरह काम कर रही है। सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि भाजपा देश की जनता का ध्यान महंगाई, बेरोजगारी, डीजल-पेट्रोल व रसोई गैस की बढ़ती कीमतो से ध्यान हटाने के लिए यह सरकार जाति, धर्म, वर्ग और क्षेत्र के नाम पर लोगों को बॉटकर सत्ता में बने रहना चाहती है। सांसद प्रमोद तिवारी ने मोदी सरकार पर तगड़ा तंज कसा कि इसके डीएनए में अंग्रेजों का जहर चला गया है। उन्होने कहा कि पिछले लगभग ग्यारह सालों से मोदी सरकार जाति और धर्म के नाम पर लोगों में नफरत फैला रही है। उन्होने कहा कि भाजपा जब से सत्ता में आयी है संविधान की शपथ लेकर संविधान की हत्या कर रही है। उन्होने कहा कि जुमले के तौर पर पीएम मोदी के द्वारा फेके गये पन्द्रह लाख रुपए को जनता भूल जाय और जनता में इतना भ्रम फैला दिया जाय कि वे सभी मुद्दे भूल जायं। उन्होने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के इस अंतरिम निर्णय के बाद अब पीएम मोदी को पूरे राष्ट्र से क्षमा मांगनी चाहिए। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री की गलत नीतियों के कारण लोगों में वर्ग संघर्ष फैल गया है। उन्होने कहा कि केन्द्र की बीजेपी सरकार उस सिद्धान्त को पूरी तरह भूल गयी है कि सरकार का उत्तरदायित्व है कि जहां भी अशांति हो वहां वह शांति का वातावरण तैयार करे। उन्होने कहा कि जाति, धर्म और वर्ग के नाम पर लोगों में आग लगाने का काम कर रही बीजेपी को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार न देश की हितैषी है, न ही देशवासियों की। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता की लालच में किसी भी हद तक गिर सकती है। सांसद प्रमोद तिवारी ने यूजीसी को लेकर सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय को देश में शांति का मार्ग प्रशस्त होने का निर्णय कहा। उन्होने यह भी कहा कि देश के मुख्य न्यायाधीश की इस निर्णय को लेकर यह टिप्पणी भी स्वागत योग्य है जिसमें केन्द्र सरकार की नीति व नीयति पर सवालिया निशान लगाया गया है। सांसद प्रमोद तिवारी का यह बयान गुरूवार को यहां मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल के हवाले से निर्गत हुआ है।

न्यूज झरोखा

अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम को पास कराए जाने की उठाई आवाज

कुण्डा। अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम विधेयक की मुहिम को लेकर आल इण्डिया रूरल बार एसोसिएसन के बैनरतले गुरूवार को यहां अधिवक्ताओ ने एकजुटता का प्रदर्शन किया। एसोसिएसन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल व महासचिव अनिल कुमार तिवारी के नेतृत्व में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम विधेयक को लेकर न्याय भवन परिसर में आम सभा हुई। आम सभा को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने केंद्र सरकार के समक्ष यह मांग उठाई है कि सरकार का बजट पेश होने के बाद अगला विधेयक संसद में अधिवक्ता सुरक्षा अधिनियम का लाया जाना चाहिए। महासचिव अनिल कुमार तिवारी ने कहा कि यदि सरकार इस सत्र में यह विधेयक पारित नही कराती तो एसोसिएसन प्रदेशव्यापी आंदोलन तेज करेगा। आम सभा की अध्यक्षता सिविल बार एसोसिएसन के अध्यक्ष हनुमान प्रसाद पाण्डेय व संचालन अधिवक्ता अरविन्द त्रिपाठी पंकज ने किया। इस मौके पर दि बार एसोसिएसन के अध्यक्ष बीपी मौर्या, शीतला प्रसाद यादव, सोमनाथ मिश्र, सुनील श्रीवास्तव, पुष्पेष पाण्डेय, दिनेश तिवारी, हरिश्चंद्र पाण्डेय आदि अधिवक्ता रहे। आमसभा का संयोजन एसोसिएसन की तहसील इकाई अध्यक्ष वैभव पाण्डेय ने किया।

किशोरी के अपहरण व धमकी को लेकर दस पर केस

प्रतापगढ़। किशोरी को अपहृत करने व परिवारीजनों के साथ गालीगलौज व जानलेवा धमकी देने की घटना को लेकर पुलिस ने दस आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। उदयपुर थाना क्षेत्र के एक गांव के पीड़ित लल्लू प्रसाद पुत्र निमरू ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती सत्रह जनवरी को उसकी पुत्री गायब हो गयी। खोजबीन के बाद अगले दिन उसे बरामद किया गया। पीड़ित पिता का आरोप है कि उसकी पुत्री को रायबरेली जनपद के बरभनी, तिलोई फुरसतगंज निवासी पंकज पुत्र महादेव, तथा राजाराम व उनकी पत्नी कौशिल्या व पुत्री रिंकी तथा रामकिशन व उनकी पत्नी, पुत्र शिवा, रूपचंद व उसके पुत्र रामखेलावन, रेनू पत्नी सूरज, बहला फुसलाकर साथ ले गये थे। पीड़ित का यह भी आरोप है कि आरोपीगण गालीगलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार का कहना है कि जांच के बाद दस आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

श्रम उपायुक्त ने गोआश्रय केंद्र का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। विकासखण्ड सांगीपुर अन्तर्गत गोआश्रय केन्द्र पहुंचकर श्रम उपायुक्त ने निरीक्षण किया। विकासखण्ड के मुस्तफाबाद में गोआश्रय केंद्र का निरीक्षण करने गुरूवार को दोपहर करीब दो बजे श्रम उपायुक्त जिला विकास अधिकारी संतोष कुमार सिंह व खण्ड विकास अधिकारी विपुल कुमार श्रीवास्तव के साथ पहुंचे। श्रम उपायुक्त ने गोआश्रय केंद्र में मौजूद एक सौ बीस गोवंश की देखरेख, रखरखाव का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान वहां मौजूद पूर्व जिपंस महेन्द्र सिंह ने नवनिर्मित गोआश्रय केंद्र में अन्य सुविधाओं की मांग की। इस मौके पर जेई मनरेगा रमेशचंद्र शुक्ल, धीरेन्द्र गौतम, प्रभाकर सिंह चैहान, कन्हैया लाल सरोज, शैलेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

अनियमितता की डीएम से शिकायत

लालगंज। ग्राम विकास कार्यो में अनियमितता को लेकर ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से शिकायत की है। विकासखण्ड रामपुर संग्रामगढ़ अन्तर्गत ग्राम पंचायत ढ़िगवस गांव के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को भेजे गए शिकायती प्रार्थना पत्र में कहा है कि गांव के विकास कार्यो में काफी अनियमितता बरती जा रही है। हैण्डपम्प रिबोर, इण्टरलाकिंग, नाली आदि कार्यो में अनियमितता से विकास कार्य प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने शिकायत की जांच कराकर उचित वैधानिक कार्रवाई की मांग उठाई है।

युवती गायब, दी तहरीर

प्रतापगढ़। लीलापुर थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती संदिग्ध दशा में मंगलवार को गायब हो गयी। काफी खोजबीन के बाद भी युवती का कहीं पता नही चला। थक हार कर परेशान परिजनों ने अनहोनी की आशंका जताते हुए पुलिस को तहरीर सौंपी। प्रभारी निरीक्षक आदित्य सिंह का कहना है कि जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने अभियुक्त को किया गिरफ्तार

पट्टी। थाना कंधई पुलिस ने अपहरण, दुष्कर्म व पाक्सो एक्ट के मामले में वांछित एक अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।थाना प्रभारी कंधई सत्येन्द्र सिंह भदौरिया के नेतृत्व में गुरुवार को उपनिरीक्षक पवन कुमार यादव अपने हमराह कांस्टेबल प्रवीण यादव व कांस्टेबल राहुल कुमार के साथ थाना क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने उड़ैयाडीह मोड़ पुलिया के पास से वांछित अभियुक्त शिवम चैरसिया उर्फ चुन्नी पुत्र अशोक कुमार चैरसिया, निवासी रामपुर बेला थाना पट्टी जनपद प्रतापगढ़ (उम्र करीब 20 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस ने मौके से एक चार पहिया वाहन होंडा अमेज को भी बरामद कर मोटर वाहन अधिनियम की धारा 207 के तहत सीज कर दिया। गिरफ्तार अभियुक्त को आवश्यक विधिक कार्रवाई के उपरांत न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

शंकराचार्य की जन्मभूमि पट्टी में निकलेगी अन्याय प्रतिकार यात्रा

पट्टी। सनातन धर्म के सर्वोच्च पीठ पर आसीन जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती तथा उनके शिष्यों और अनुयायियों के साथ हुए कथित अन्याय के विरोध में उनकी जन्मभूमि पट्टी में शनिवार 31 जनवरी को प्रातः 11 बजे से ह्लअन्याय प्रतिकार यात्राह्व का आयोजन किया जाएगा।इस विशाल एवं ऐतिहासिक यात्रा में सैकड़ों की संख्या में सनातन धर्मावलंबी, संत-समर्थक, धर्मप्रेमी नागरिकों के साथ-साथ अन्याय से क्षुब्ध विभिन्न संप्रदायों के लोग भी सम्मिलित होंगे। यात्रा शंकराचार्य के सम्मान, न्याय और सनातन स्वाभिमान की सामूहिक आवाज बनेगी।यात्रा का शुभारंभ श्री शंकराचार्य चैक (पूर्व में चमन चैक) से होगा, जो चैक बाजार, सिविल लाइंस, राजपूत चैराहा, बाईपास, उड़ैयाडीह मोड़ होते हुए मुख्य मार्ग से तहसील पट्टी पहुंचकर संपन्न होगी।यात्रा के संयोजक एवं भारतीय युवा विद्यार्थी संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राजा सक्षम सिंह योगी ने कहा कि ह्लशंकराचार्य केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि सनातन परंपरा के सर्वोच्च प्रतीक हैं।

भूमि संरक्षण इकाई की परियोजना का किया गया निरीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। संयुक्त कृषि निदेशक प्रयागराज मण्डल प्रयागराज संतोष कुमार राय द्वारा भूमि संरक्षण इकाई द्वितीय में संचालित योजना पंडित दीन दयाल उपाध्याय किसान समृद्धि योजनान्तर्गत परियोजना नेवाड़ी का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के समय परियोजना प्रभारी संजय सिंह, वरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप-बी ध्रुव कुमार यादव व अवर अभियन्ता आशीष कुमार यादव एवं दिनकर मौके पर उपस्थित रहे। संयुक्त कृषि निदेशक द्वारा योजना के लाभ के बारे में बताया गया कि बिहड़ बंजर सुधार कार्यक्रम के अन्तर्गत मृदा कटाव रोकने एवं वर्षा जल संरक्षण हेतु अवरोध बांध/समोच्य रेखीय बांध, मार्जिनल बांध का कार्य कराया गया है एवं अवरोध बांधों पर वृक्षारोपण का कार्य कराया गया है जिसे मृदा का स्थायित्व बना रहता है साथ ही इस योजना से फसलोउत्पादन कार्यक्रम के अन्तर्गत 3500 रुपए प्रति हेक्टेयर की दर से अनुदान भी कृषक भाईयों को दिया जायेगा।

स्वच्छ भारत मिशन-नगरीय अन्तर्गत स्वच्छ बंसत का चलाया जा रहा अभियान

प्रतापगढ़। अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बेल्हा राकेश कुमार ने बताया है कि शासन के निर्देश के क्रम में नगर पालिका परिषद् बेल्हा प्रतापगढ़ द्वारा स्वच्छ भारत मिशन-नगरीय अन्तर्गत ह्लस्वच्छ बंसतह्व का अभियान चलाया जा रहा है जिसमें नगर के लोगो को अभियान के माध्यम से हरा-गीला सूखा-नीला एवं सूखे कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में डालने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। साथ ही खुले में कचरा न फेंके व गंदगी न फैलाए तथा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग न करें इसके लिए जगरूकता अभियान चालाय जा रहा है। नगर क्षेत्रान्तर्गत भ्रमण कर रहे निराश्रितध्बेसहारा गौवंशों को नगर पालिका द्वारा बराबर निराश्रित/बेसहारा गौवंशों को कैटिल कैचर में सुरक्षित पकड़ कर कान्हा गौशाला रंजीतपुर चिलबिला में संरक्षित किया जा रहा है।

जिला उद्योग बन्धु, ओडीओपी व व्यापार बन्धु की बैठक सम्पन्न

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में जिला उद्योग बन्धु समिति एवं एक जनपद एक उत्पाद जिला स्तरीय समिति व व्यापार बन्धु की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सीडीओ ने मो० अकवम के विद्युत कनेक्शन को इंडस्ट्रियल परिवर्तन करने हेतु अधिशाषी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड रानीगंज को अपने उच्चाअधिकारीयों से मार्गदर्शन प्राप्त करने हेतु निर्देश दिये गये। मे० कसागी प्रा० लि० सराय नाहर राय लक्ष्मीगंज के समीप क्षतिग्रस्त पुलिया के मरम्मत के सम्बन्ध में अधिशाषी अभियन्ता सिचाई द्वारा इसी वित्तीय वर्ष पूरा करा लेने का आश्वासन दिया गया तथा मे० कसागी प्रा० लि० सराय नाहर राय लक्ष्मीगंज मानधाता इकाई के पास चैराहे के नवीनीकरण के लिए अधिशाषी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग को स्थलीय सत्यापन कर आगणन प्रस्ताव यथाशीघ्र प्रस्तुत करने हेतु आदेश दिया गया। व्यापारी बन्धुओं ने शिकायत किया कि शहर में नाले के निर्माण का कार्य अधूरा होने से आवागमन में समस्यायें उत्पन्न हो रही है जिस पर सीडीओ ने ईओ नगर पालिका को निर्देशित किया कि सम्बन्धी संस्था से वार्ता कर कार्य जल्द से जल्द पूर्ण कराये। ऋण परक योजनाओं की समीक्षा में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना के सम्बन्ध में उपायुक्त उद्योग अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि वित्तीय वर्ष में 1750 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, योजना के तहत 5170 आवेदन पत्र प्राप्त हुये है और बैंकों को 4233 आवेदन पत्र बैंकों को प्रेषित किये गया है, बैंकों द्वारा 1389 आवेदन पत्र स्वीकृत किया गया है तथा 1386 आवेदन पत्र वितरण की कार्यवाही की गयी है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) योजना की समीक्षा की गयी। सीडीओ ने सभी बैंक समन्वयकों को निर्देश देते हुये कहा कि बैंकों में जो भी लम्बित पत्रावलियां है तत्काल उस पर कार्यवाही करते हुये नियमानुसार वितरण की कार्यवाही की जाये, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाये। बैठक के अन्त में सीडीओ ने उद्यमियों व व्यापारियों को आश्वस्त करते हुये कहा कि जो भी शिकायतें है उस पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकान्त दर्वे, उपायुक्त उद्योग अजय कुमार त्रिपाठी, एलडीएम नीरज सिंह व अन्य सम्बन्धित अधिकारी एवं उद्यमीध्व्यापारी मो0 अनाम, रोशन लाल ऊमरवैश्य के अलावा अन्यं उद्यमीध्व्यापारी उपस्थित रहे।

अवसान देवी पूजन में उमड़ी आस्था की भीड़

कुंडा। विकास क्षेत्र के दिलेरगंज गांव में गुरुवार को ग्राम प्रधान श्रीचंद्र मौर्या की अगुवाई में अवसान देवी पूजन एवं दुरदुरैया कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर गांव की करीब छह सौ महिलाओं ने पहुंचकर देवी की आराधना की। पूजन के दौरान महिलाओं ने ग्राम प्रधान श्रीचंद्र मौर्या द्वारा दी गई पारंपरिक वेशभूषा में पीली साड़ी धारण कर पंक्तिबद्ध होकर अवसान देवी की विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात परंपरा के अनुसार दुरदुरैया चबाकर महिलाओं ने देवी से अपने परिवार के सुख, स्वास्थ्य, संतान की लंबी उम्र और घर में खुशहाली की कामना की।पूरे आयोजन के दौरान पूजा स्थल पर भक्ति और विश्वास का विशेष वातावरण देखने को मिला। महिलाओं द्वारा गाए गए पारंपरिक लोकगीतों से माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया। प्रसाद वितरण के साथ महिलाओं ने आपसी सौहार्द और सामाजिक एकता का भी संदेश दिया। ग्राम प्रधान श्रीचंद्र मौर्या ने कहा कि इस तरह के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। इससे न सिर्फ परंपराएं जीवित रहती हैं, बल्कि महिलाओं में भी सामाजिक जागरूकता और सहभागिता बढ़ती है। कार्यक्रम में प्रभावती, रानी देवी, विमला देवी, संतोषी देवी, किरन देवी, नीलम मौर्या सहित लगभग छह सौ महिलाएं मौजूद रहीं। महिलाओं ने आयोजन को उपयोगी और प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की आवश्यकता जताई। ग्रामीणों ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे सफल बताया।

मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना की जिला स्तरीय समिति की बैठक सम्पन्न

प्रतापगढ़। मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजना वर्ष 2025-26 की जिला स्तरीय समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन कार्यालय कक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा ने वर्ष 2025-26 में जायद मौसम हेतु निदेशालय उद्यान विभाग उ0प्र0 लखनऊ से प्राप्त भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्यों के अनुमोदन हेतु प्रस्ताव प्रस्तुत किया। बैठक में जिला उद्यान अधिकारी ने बताया है कि मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास योजनान्तर्गत संकर शाकभाजी 65 हेक्टेयर, गेंदा की खेती 20 हेक्टेयर, ग्लैडियोलस 05 हेक्टेयर, प्याज की खेती 100 हेक्टेयर, एचडीपीई वर्मी बेड 10, मौन पालन-05, फेन्सिंग 3800 मीटर, सब्जियों पर मचान 15 हेक्टेयर, मसाला सीड (धनिया, मेथी, सौंज, जीरा) 3 हेक्टेयर, फ्रूट बैगिंग 10 हेक्टेयर व लो कास्ट मशरूम उत्पादन इकाई 01 लक्ष्य का प्राप्त हुआ है। सीडीओ ने जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया कि योजना का प्रचार-प्रसार कराते हुए प्रथम आवक-प्रथम पावक के आधार पर नियमानुसार कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया जाय तथा प्रत्येक तीन दिन पर व्यक्तिगत रूप से प्रगति की सूचना उपलब्ध करायी जाय। तद्पश्चात प्रेषित प्रस्ताव पर मुख्य विकास अधिकारी एवं समिति के समस्त सदस्यों द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक में डी0डी0एम0 नाबार्ड अभिनव शुक्ला, एल0डी0एम0 नीरज सिंह, वैज्ञानिक के0वी0के0 महेन्द्र प्रताप सिंह, सहायक आयुक्त उद्योग जगत नारायण यादव, सचिव मण्डी समिति अमित गुप्ता, एस.एम.ए.आई. वीरेन्द्र कुमार, अध्यक्ष औद्यानिक विपणन सहकारी समिति कुलदीप सिंह, औद्यानिक उत्पादक एवं विपणन सहकारी समिति सण्डौरा राम शिरोमणि, प्रगतिशील कृषक अंजनी शर्मा, राघवेन्द्र प्रताप सिंह एवं योजना प्रभारी विनय कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

मारपीट की घटना को लेकर दी तहरीर, जांच में जुटी पुलिस

प्रतापगढ़। मारपीट की घटना को लेकर पुलिस को तहरीर दी गयी है। सांगीपुर थाना क्षेत्र के भुरकुसुवापुर देउम पश्चिम गांव की सुधा वर्मा पुत्री हरिशंकर वर्मा ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि गांव के पड़ोसी के घर के पास से आने जाने का आम रास्ता है। लेकिन मामले में रास्ते के विवाद को लेकर वाद भी दायर है। आरोप है कि गुरूवार सुबह करीब साढ़े सात बजे पीड़िता उस रास्ते से जा रही थी। इसी बीच गाली देते हुए पड़ोसी ने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर उसे मारापीटा। शोर मचाने पर बचाव में पहुंची पीड़िता के पिता व बहन को भी मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सीएचसी सांगीपुर भेजवाया। जहां हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने सुधा वर्मा को जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसओ राजेन्द्र त्रिपाठी का कहना है कि जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

319 ग्राम पंचायतों के पंचायत भवनों पर डिजिटल लाइब्रेरी की होगी स्थापना

प्रतापगढ़। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा की अध्यक्षता में विकास भवन के कक्ष में डिजिटल लाइब्रेरी समिति की बैठक की गयी। बैठक में जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीकान्त दर्वे ने बताया कि शासन द्वारा जनपद हेतु 319 ग्राम पंचायतों के पंचायत भवनों पर डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष जनपद के 17 विकास खण्डों क्रमशः आसपुर देवसरा 19, बाबा बेलखरनाथधाम 16, बाबागंज 15, बिहार 17, गौरा 12, कुण्डा 17, कालाकांकर 15, लालगंज 15, लक्ष्मणपुर 15, मंगरौरा 27, मानधाता 18, पट्टी 17, रामपुर संग्रामगढ़ 14, सदर 21, सण्ड़वा चन्द्रिका 13, सांगीपुर 51 व शिवगढ़ की 17 चयनित ग्राम पंचायतों में डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना की जानी है। डिजिटल लाइब्रेरी के संचालन के लिये यू0पी0 डेस्को को सामग्री की आपूर्ति एवं एन0बी0टी0 के द्वारा पुस्तक की आपूर्ति हेतु आदेश कर दिया गया है। पंचायत भवनों पर डिजिटल लाइब्रेरी में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी से सम्बन्धित अध्ययन सामग्री, ई-बुक्स, आनलाइन कोर्स, शैक्षणिक वीडियो, समाचार पत्र एवं इण्टरनेट की सुविधा उपलब्ध करायी जायेगी। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं आधुनिक शिक्षा से जोड़ना है। डिजिटल लाइब्रेरी ग्रामीण छात्रों के लिये एक नई राह खोलेगी और उन्हे तकनीक के साथ आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करेगी। इससे शिक्षा के क्षेत्र में समानता आयेगी और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ग्राम पंचायत की यह पहल अच्छी साबित होगी। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक ओमकार राणा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी भूपेन्द्र सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र कुमार मौर्य, पुस्तकालयाध्यक्ष नसरत अली सहित समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बीमा का चेक पाकर महिला का खिला चेहरा

प्रतापगढ़। बैंक से बीमा का चेक पाकर महिला का चेहरा खुशी से खिल उठा दिखा। विकासखण्ड सांगीपुर अर्न्तगत पूरे बक्शी राजमतीपुर गांव निवासी बुधराम सरोज की एक वर्ष पूर्व मौत हो गयी थी। वह एसबीआई सांगीपुर में खाताधारक था। उसका पीएम जेजेबीवाई योजना के तहत बीमा हुआ था। बुधराम सरोज की मौत के बाद बैंक शाखा प्रबंधक गौरव ओझा ने गुरूवार को मृतक आश्रित पत्नी संगीता को बैंक बुलाकर बीमा योजना के तहत दो लाख का चेक सौंपा। इस दौरान जिपंस प्रतिनिधि अशोकधर द्विवेदी भी मौजूद रहे। दो लाख रुपए बीमा का चेक पाकर संगीता के आंसू झलक पड़े। इस मौके पर बैंककर्मी विनय सिंह, हिमांशु, मीरा विष्ट, आरसी यादव, राजकुमार यादव व संजय कोरी आदि मौजूद रहे।

राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर संगोष्ठी आयोजित

पट्टी। स्नातकोत्तर महाविद्यालय में गुरुवारप्रो. राजेंद्र सिंह ह्यरज्जू भैयाह्व के जन्मदिवस के अवसर पर पं. रामराज शुक्ल सभागार में ह्लराष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिकाह्व विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी पट्टी पूर्णेंदु मिश्र रहे, जबकि मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक ओम प्रकाश उपस्थित रहे।मुख्य वक्ता ओम प्रकाश ने अपने उद्बोधन में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की कुल जनसंख्या में लगभग दो-तिहाई हिस्सा युवाओं का है और यही वर्ग राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि आज का युवा लक्ष्य निर्धारित कर, मन लगाकर परिश्रम करे और अपनी सांस्कृतिक परंपराओं के अनुरूप आचरण प्रस्तुत करे तो भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं महाविद्यालय के प्राचार्य द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके पश्चात सरस्वती वंदना महाविद्यालय की छात्रा अंशिका सिंह एवं अंशु पाठक द्वारा प्रस्तुत की गई।महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अखिलेश कुमार पांडेय ने मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में प्रो.आर.बी. अग्रहरि, प्रो. मिथिलेश कुमार त्रिपाठी, डॉ. राकेश कुमार पांडेय, डॉ. विकास सिंह, सुश्री श्वेता सिंह, श्रीमती अर्चना सिंह सहित समस्त प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दिलीप सिंह ने किया तथा संचालन डॉ. देवेंद्र नारायण पाण्डेय ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।उक्त जानकारी महाविद्यालय के जनसूचना अधिकारी डॉ. वीरेंद्र कुमार मिश्र द्वारा दी गई।

संदिग्ध दशा में नाबालिग बालिका की मौत

अखंड भारत संदेश

आत्महत्या के लिए क्यों मजबूर हुई नाबालिग बालिका बड़ी जांच का विषय

साड़ी का फंदा डालकर पंखे से आत्महत्या किए जाने के बाद पंखे के पर का टेढ़े ना होना पर खड़े हुए है सवाल

हररायपुर कौशांबी। संदीपन घाट थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस चौकी हररायपुर के छीतापुर गांव में गुरुवार की शाम लगभग 4:00 बजे संदिग्ध परिस्थितियों में एक नाबालिग बालिका की मौत हो गई है परिजनों का कहना है कि बालिका ने पंखे में साड़ी का फंदा बनाकर आत्महत्या कर लिया है हालांकि मौके पर पंखा टेढ़ा नहीं हुआ है जिससे आत्महत्या संदिग्ध प्रतीत होती है मामले की सूचना पुलिस चौकी को दिया गया है सूचना मिलते ही चौकी पुलिस मौके पर पहुंची है और नाबालिग बालिका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है साड़ी का फंदा डालकर पंखे से आत्महत्या किए जाने के बाद पंखे के पर का टेढ़े ना होने पर सवाल खड़े हुए हैं। जानकारी के मुताबिक यासमीन उम्र 16 वर्ष पुत्री सफीक निवासी छीतापुर की संदिग्ध परिस्थितियों में घर के अंदर गुरवार को मौत हो गई है परिजनों का कहना है कि बालिका ने गुरुवार दिन में 4:00 बजे पंखे से साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है नाबालिग बालिका की मौत किन परिस्थितियों में हुई है पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद मौत के कारण का खुलासा होगा पुलिस ने बालिका के शव को कब्जे में लेकर

पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है आखिर नाबालिग बालिका आत्महत्या के लिए क्यों मजबूर हुई है यह पुलिस के लिए बड़ी जांच का विषय है नाबालिक बालिका को कौन प्रताड़ित कर रहा था और किसके प्रताड़ना से प्रताड़ित होकर के नाबालिक बालिका ने इतना कठोर कदम उठाया है कि उसकी उसका जीवन समाप्त हो गया है नाबालिक बालिकाओं के संरक्षण के लिए सरकार ने तमाम कानून बनाए है लेकिन नाबालिक बालिकाओं के उत्पीड़न की घटनाओं पर रोक लगती नहीं दिख रही है और आए दिन नाबालिक बालिकाओं के साथ जिले के विभिन्न क्षेत्रों में घटनाएं हो रही है जिससे बाल संरक्षण के लिए बनाए गए कानून पर तमाम सवाल खड़े हो रहे हैं कि बाल संरक्षण के कानून का पालन करवाने की जिम्मेदारी जिन अफसर पर है वह क्या कर रहे हैं।

जीसी बिल की एक झलक, सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

कौशांबी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से जुड़े प्रस्तावित बिल पर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा कदम उठाते हुए अगली सुनवाई तक स्टे लगा दिया है। शीर्ष अदालत के इस आदेश के बाद फिलहाल बिल के प्रावधानों पर अमल नहीं हो सकेगा बताया जा रहा है कि इस बिल को लेकर दाखिल याचिकाओं में संवैधानिक प्रावधानों के उल्लंघन और राज्यों के अधिकारों में हस्तक्षेप का मुद्दा उठाया गया था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अंतरिम रोक लगाना उचित समझा अब इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख तय होने के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से शिक्षा जगत और छात्रों के बीच चर्चाओं का दौर तेज हो गया हैं।

व्यापारी पुत्र के हत्यारे को हो फांसी की सजा : ब्रजेश केसरवानी

अखंड भारत संदेश

आयुष हत्याकांड के विरोध में राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार मंडल के बैनर तले नारा के व्यापारियों ने निकाला कैंडल मार्च

कौशाम्बी। एक सप्ताह पूर्व चित्रकूट के बरगढ़ में व्यापारी पुत्र आयुष केसरवानी का अपहरण के बाद निर्मम हत्या से व्यापारी समुदाय में काफी गुस्सा है। आयुष की हत्या के विरोध में कौशांबी के नारा बाजार में एकत्रित हुए व्यापारियों ने गहरा शोक और आक्रोश व्याप्त किया है। इस घटना के विरोध में राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष ब्रजेश केसरवानी की अगुवाई में व्यापारियों ने कैंडल मार्च निकाली है।बरगढ़ में बच्चे की निर्मम हत्या पर नारा के व्यापारियों में आक्रोश दिखा। व्यापारियों ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। नारा जन उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष ब्रजेश केसरवानी ने कहा कि आरोपियों पर बुलडोजर एक्शन और दोषियों को फांसी की सजा दी जाए व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने एकजुट होकर कैंडल मार्च निकाला और मृतक बच्चे को श्रद्धांजलि दी।कैंडल मार्च में बड़ी संख्या में व्यापारी,सामाजिक कार्यकर्ता और आमजन शामिल हुए। सभी ने हाथों में मोमबत्तियाँ लेकर घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया और दोषियों के खिलाफ कड़ी तथा त्वरित कार्रवाई की मांग की। इस दौरान ब्रजेश कुमार केसरवानी,केशव लाल केसरवानी गोलू शुक्ला,काका सोनी अमृतलाल राजन यादव तूफान यादव,सोनू चौरसिया शिवम केसरवानी,अपित केसरवानी रामप्रकाश विश्वकर्मा सुभाष चन्द्र केसरवानी नन्दलाल सेन,कृष्णचन्द्र केसरवानी प्रकाश चन्द्र केसरवानी सुघर गुप्ता ओमप्रकाश शर्मा,मुन्ना नामदेव इन्द्रजीत सोनकर डॉ.महेन्द्र कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

इलाज और दवाई के अभाव में मर गया बेसहारा

कौशांबी। चित्रकूट जनपद के रवि शंकर कश्यप उम्र 35 वर्ष कई सालों से अपनी पत्नी के साथ मंझनपुर में अपने साले धर्मेंद्र कश्यप के घर में रहते थे कुछ वर्ष पहले उनकी पत्नी की मौत हो चुकी है जिससे वह अनाथ हो गए थे चार दिन पहले मंझनपुर ससुराल से धक्का मार के उसको भगा दिया गया था ससुराल की प्रताड़ना के बाद रवि शंकर गुमसुम रहने लगा और वह वापस अपने घर भी नहीं गया उसके बाद वह नगर पालिका परिषद मंझनपुर के वाहन स्टैंड ओसा रोड में टीन शेड के नीचे कई दिन से गुमसुम पड़ा था उसे दवाई नहीं मिल सकी भोजन नहीं मिल सका आसपास के लोगों से पानी मांग कर पी लेता था एक हफ्ते भोजन दवाई न मिलने के चलते तड़प तड़प कर रवि शंकर कश्यप मर गया है बेसहारा रवि शंकर की मौत होने के बाद भी किसी को उसके मौत की जानकारी नहीं मिली जब बेसहारा रविशंकर के शव से दुर्गंध उठने लगी तो शव को कुत्तों ने नोचना शुरु कर दिया उसके शरीर के मांस को कुत्ते खा गए हड्डियां बाहर निकल आई उसके बाद गुरुवार की सुबह 9:00 बजे शव को नोच रहे कुत्तों पर लोगों की नजर पड़ी मौके पर देखा तो स्थिति बड़ी भयावह थी मामले की सूचना पुलिस को दी गई सूचना मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है बिना भोजन और दवाई के अभाव में युवक की मौत ने तमाम सवाल छोड़ दिए हैं दूसरा सवाल खड़ा है कि 4 दिन पहले जब ससुराल से रवि शंकर निकला था तो किस हालत में निकला था जहां पर शव मिला है उसके आसपास कई सीसीटीवी कैमरे लगे हैं जिससे 4 दिन पहले की सीसीटीवी फुटेज से उसके वहां पहुंचने की स्थितियों की जानकारी हो सकती है।

खून की व्यवस्था न होने से इलाज के दौरान महिला की मौत

कौशांबी। आए दिन जिले में ब्लड डोनेट किए जाने की आम जनता को सलाह दी जाती है और तमाम जनता आए दिन ब्लड डोनेट भी करती है लेकिन समय आने पर मरीजों को ब्लड बैंक से खून नही मिल पाता है और खून न मिलने के चलते सराय अकिल थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान महिला लालती देवी की मौत हो गई डॉक्टरों ने खून की कमी बताते हुए ब्लड ट्रांसफ्यूजन की सलाह दी थी परिजनों के अनुसार खून की व्यवस्था करते समय बुधवार रात उनकी मौत हो गई।परिजनों ने डॉक्टरों पर खून चढ़ाने में लापरवाही का गंभीर आरोप लगाते हुए अस्पताल के बाहर जमकर हंगामा किया हंगामा के पीछे भी सौदेबाजी की कहानी आ रही है पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति संभालते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है अब सवाल उठता है कि जो ब्लड डोनेट किए जाते हैं वह कहां चले जाते हैं जिससे मरीजों को मौके पर ब्लड बैंक से खून नहीं मिल पाता है आए दिन मरीजों को ब्लड बैंक से खून में मिलने के बाद जिला अस्पताल के ब्लड बैंक पर बड़े सवाल खड़े हैं कि आखिर जिले की जनता द्वारा डोनेट किए गए ब्लड कहां गायब हो जाता है कुछ विशेष लोगों को बड़ी रकम देकर आसानी से ब्लड मिल जाता है लेकिन गरीबों को ब्लड मिलने में तमाम दिक्कतें होती है जिससे आए दिन मौत हो रही है महिला की मौत के बाद ब्लड बैंक के कारनामे पर सवाल खड़े हैं और ब्लड बैंक के कारनामों की जांच हुई तो खून के कालाबाजारी का धंधा भी उजागर होगा।

लाखों पौधे सूखने के बाद डीएफओ डीएम कमिश्नर कंजरवेटर चीफ को दोषी मानते हैं मंझनपुर रेंजर

अखंड भारत संदेश

14 वर्ष में दो करोड़ पौधे रोपित करने में सरकार का 100 करोड रूपए हुआ खर्च

यदि दो करोड़ पौधे कौशांबी में होते तैयार तो 50 हजार करोड रुपए होती कीमत

कौशांबी। मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की सरकार के कार्यकाल में वर्ष 2012 से वृहद पौधारोपण का अभियान शुरू हुआ और वर्ष 2025 तक में कौशांबी जिले में 2 करोड़ से अधिक पौधे अभिलेखों में रोपित किए गए लेकिन वर्तमान में जमीनी हकीकत में 20 लाख पौधे भी कौशांबी में नहीं बचे हैं यदि मंझनपुर रेंज क्षेत्र की बात करें तो लगभग 70 लाख पौधे 14 वर्ष के बीच में रोपित किया गया है बीते 14 वर्षों के बीच रोपित किए गए 70 लाख पौधों में वर्तमान में 7 लाख पौधे भी मंझनपुर रेंज क्षेत्र की धरती पर मौजूद नहीं दिखाई पड़ रहे हैं एक विशेष मुलाकात के दौरान इस संबंध में जब चर्चा उठाई गई तो रेंजर का कहना है कि वन विभाग के साथ-साथ अन्य विभागों से पौधे का रोपण जिला अधिकारी द्वारा कराया जाता है यदि पौधे सूख गए हैं तो उसके जवाब देही जिला अधिकारी की होगी उनका कहना है कि जिले के अफसर जिला प्रभागीय वनाधिकारी होते हैं मंडल में कंजरवेटर और चीफ होते हैं मंझनपुर रेंज क्षेत्र में देखरेख के अभाव में 60 लाख से अधिक पौधे सूख जाने के बाबत रेंजर स्पष्ट तौर से डीएम डीएफओ कंजरवेटर चीफ और कमिश्नर को दोषी मानते हैं उनका कहना है कि पौधे सूखने के पीछे बड़े अफसर का जवाब होना चाहिए इतना ही नहीं वन विभाग के रेंजर मंझनपुर तो पूरे उत्तर प्रदेश में पौध रोपण में हेरा फेरी की बात करते हैं सरकार में रहते हुए सरकार की छीछालेदर रेंजर कर रहे हैं अब सवाल उठता है कि वन विभाग के मंझनपुर रेंज क्षेत्र में 60 लाख पौधे देख रेख के अभाव में सूख गए है विभागीय अफसर की लापरवाही के चलते पौधे सूख जाने के बाद 14 वर्ष में दो करोड़ पौधे रोपित करने में सरकार के खर्च हुए 100 करोड रूपए राजस्व की क्षति हुई यदि तैयार होने के बाद एक पौधे की कीमत 25 हजार रुपए मान ली जाए तो दो करोड़ पौधे तैयार हो जाते 50 हजार करोड रुपए सरकार को लाभ होता लाखों जनता को ऑक्सीजन मिलता गरीबों को लकड़ी मिलती पशु पक्षियों को फल फूल मिलते हैं लेकिन रेंजर के कारनामे ने सब कुछ छीन लिया है सरकार को 50 हजार करोड का नुकसान पहुंचाने वाले अफसर को चिन्हित किया जाए इन पर मुकदमा दर्ज कर दोषियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा या फिर पौधे सूखने के बाद सरकार के 50 हजार करोड़ का नुकसान रद्दी में डाल दिया जाएगा।

न्यूज झरोखा

हरे फलदार पेड़ों का परमिट जारी कर माफियाओं से पेड़ कटवा रहा है वन विभाग

देखते-देखते एक वर्षों के दौरान पूरे जिले के विभिन्न क्षेत्रों में 40 हजार हरे फलदार पेड़ों को काटकर लकड़ी उठा ले गए माफिया

कौशांबी। शासन की रोक के बाद हरे फलदार विशाल पेड़ को कटवाने के लिए वन विभाग के अधिकारी लकड़ी माफियाओ को परमिट देते हैं जिससे हरे फलदार पेड़ के काटे जाने पर पुलिस मजबूर हो जाती है जिससे मजबूर पुलिस लकड़ी माफियाओं पर कार्यवाही नहीं कर पाती है जिले के 14 पुलिस थाना क्षेत्र में प्रतिदिन तीन दर्जन लकड़ी माफिया मजदूरों के साथ पेड़ काटते देखे जाते हैं बताया जाता है कि प्रतिदिन प्रत्येक थाना क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक फलदार पेड़ लकड़ी माफिया काट रहे हैं प्रतिदिन जिले में सैकड़ो हरे फलदार पेड़ काटे जा रहे हैं महीने में जिनकी संख्या 3000 से अधिक है एक वर्ष में पूरे जिले के संपूर्ण थाना क्षेत्र में हरे फलदार पेड़ काटे जाने के आंकड़ों का अनुमान लगाया जाए तो लगभग 40 हजार से अधिक हरे पेड़ बीते वर्ष लकड़ी माफियाओ ने वन विभाग के अधिकारियों के संरक्षण में काट दिया है गुरुवार की सुबह फिर चरवा थाना क्षेत्र के चौराडीह में महुआ के बाग से 9 महुआ के हरे विशाल फलदार पेड़ काटे जा रहे थे जिसकी शिकायत ट्विटर के माध्यम से भी हुई है लेकिन उसके बाद भी हरे फलदार पेड़ के काटने पर रोक नहीं लगी है और पेड़ को काटकर लकड़ी माफिया लकड़ी उठा ले गए हैं जिससे वन विभाग के अधिकारियों के कार्यों पर बड़े सवाल है कि आखिर वन विभाग के अधिकारी किस नियमों के तहत हरे फलदार विशाल पेड़ों के काटने का परमिट जारी कर लकड़ी माफिया को पेड़ काटने की अनुमति देते हैं कुछ पेड़ काटने के मामले में परमिट जारी कर दिया जाता है कुछ पेड़ बिना परमिट के अफसरों के रहमो करम से काटे जा रहे हैं आखिर हरे फलदार पेड़ का परमिट जारी करने के पीछे विभाग की मंशा क्या है गलत तरीके से परमिट जारी किए जाने के मामले में यदि जांच हुई तो वन विभाग के अधिकारियों पर बड़ी कार्यवाही होना तय है।

मेडिकल कॉलेज में नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत हेतु फ्रेशर पाटी का आयोजन

कौशांबी स्वशासी राज्य चिकित्सा महा विद्यालय में गुरुवार को एम।बी।बी।एस। 2025 बैच के नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत हेतु फ्रेशर पाटी का आयोजन हुआ इस कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को महाविद्यालय के शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक वातावरण से परिचित कराना तथा उनके भीतर आत्मविश्वास एवं आपसी समन्वय की भावना विकसित करना था।महाविद्यालय के वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें नृत्य, संगीत एवं अन्य मनोरंजक गतिविधियाँ शामिल रहीं।कार्यक्रम का शुभारंभ प्रो0(डा0) हरिओम कुमार सिंह एवं अतिथि रवीन्द्र प्रताप सिंह,सीनियर वित्त अधिकारी, डा0 एस0एन0 सिंह,चेयरमैन,चन्द्रशेखर सिंह आयुर्वदिक संस्थान कौशाम्बी एवं डा0 विनोद कुमार गौर, प्राचार्य, चन्द्रशेखर सिंह आयुर्वदिक संस्थान ने दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ किया।

खंड शिक्षा अधिकारी ने की प्रधानाध्यापक के साथ मासिक समीक्षा बैठक

हररायपुर कौशांबी ब्लॉक संसाधन केंद्र मूरतगंज में खंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती हीना सिद्दीकी की अध्यक्षता में प्रधानाध्यापक के साथ मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। आज की बैठक में डीएलएड प्रशिक्षु के द्वारा किए जाने वाले निपुण एसेसमेंट पर विस्तार से चर्चा की गई, निपुण आकलन टूल किट,भाषा व गणित उपचारात्मक शिक्षण,दीक्षा एप रीड एलांग ऐप का आधिकाधिक प्रयोग, स्मार्ट कक्षा व स्मार्ट टीवी में सभी शिक्षकों का आईडी लॉगिन, डीबीटी पोर्टल,आधार पेंडेंसी,अटल आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा फॉर्म एवं मध्यान भोजन, कायाकल्प आदि विषयों पर चर्चा की गई।

दुष्कर्मी युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र में 25 जनवरी को एक नाबालिक बालिका के साथ दुष्कर्म करने के बाद अश्लील फोटो एडिट करके बायरल किया गया मंझनपुर कोतवाली पर अभियोग पंजीकृत हुआ विवेचना के क्रम में साक्ष्य संकलन के आधार पर धारा 64(1) बीएनएस एवं 3/4 पॉक्सो एक्ट की बढोत्तरी हुई दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त राहुल कुमार पुत्र रोशनलाल निवासी नथई का पुरा शाखा बरीपुर थाना कोखराज को पुलिस ने 29 जनवरी को गिरफ्तार किया है विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया।

पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी द्वारा की गई जनसुनवाई

कौशांबी पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा दिनांक 29.01.2026 को पुलिस कार्यालय में आम जनमानस की समस्याओं के निस्तारण हेतु जनसुनवाई आयोजित की गई।इस दौरान उपस्थित फरियादियों द्वारा प्रस्तुत शिकायती प्रार्थना पत्रों को ध्यानपूर्वक सुना गया तथा संबंधित प्रभारियों को त्वरित एवं निष्पक्ष कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।पुलिस अधीक्षक द्वारा यह निर्देशित किया गया कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए ताकि आमजन को शीघ्र राहत मिल सके तथा पुलिस पर जनता का विश्वास और अधिक मजबूत एवं सुदृढ़ हो।

राम कथा में महिलाओं की उमड़ी आपार भीड़

जयकारे से गूंज उठा पंडाल तमाम महिलाओं ने देवी अनुपमा रामायणी जी का किया जोरदार स्वागत

अखंड भारत संदेश

भरवारी कौशांबी भरवारी नगर में श्री राम कथा के आयोजन में राम कथा सुनने के लिए भक्तों की भारी भीड़ बढ़ रही है कथा पंडाल में भारी संख्या में महिलाएं भी श्री राम कथा सुनने के लिए पहुंच रही है जिससे नगर के भक्तों में प्रभु के प्रति आस्था देखी जा रही है श्री राम कथा आयोजन में कथा वाचिका अनुपमा रामायणी ने भगवान की कथा में पुरुषोत्तम राम सीता के विवाह का प्रसंग दिखाया जिसमें माता सीता भगवान राम को जयमाल डालने के लिए गई तभी सखियों ने गीत के माध्यम से प्रभु राम से निवेदन किया कि झुक जाओ मेरे प्रभु राम सीता मेरी छोटी है 'वही सीता मेरी गोरी सी है सीता मेरी छोटी है 'इस पर सखियों ने प्रभु श्री राम के छोटे भाई लखन लाल से कहा उस पर लखन लाल तुरंत प्रभु श्री राम के चरणों में लेट गए प्रभु श्री राम ने भाई लखन को झुक कर उठाया और गले लगाया तभी मौका का फायदा उठाते हुए तुरंत प्रभु के गले में जय मॉल डालकर विवाह की रस्म पूरी कर दी प्रभु श्री राम के गले में जयमाला पड़ते ही जय कारो से पूरा पंडाल गूंज उठा 'उसके बाद माता सीता का मुंह दिखाई का कार्यक्रम शुरू हुआ धर्म पति और देवताल सास ससुर गुरु सेवा करहल कहा खोल मुख दुल्हन का नंनद समीप बैठी सैकड़ों महिला जैसे चौपाइयों के प्रवचन से भक्तों का मन मोह लिया है। श्री राम कथा का प्रवचन कर रही अनुपमा रामायणी ने कहा कि समय का पहिया चलता है समय बुलाता समय रुलाता समय से बढ़कर न कोई समय का पहिया चलता है 'आज राम कथा का समापन का कार्यक्रम है इस राम कथा के संयोजक हनुमान महाराज जी है उनके आशिर्वाद के चलते आपार भक्त जन सैलाब उमड़ा कथा वाचिका देवी अनुपमा रामायणी जी का भरवारी वासियों द्वारा भव्य स्वागत किया गया इस मौके पर प्रवेश केशरवानी ओपी केशरी प्रेम चंद मास्टर भीम चंद्र अखिलेश कौशल नीरज कौशल विनोद पीतांबर लाल पंडित राम प्रकाश मिश्रा अनीता केधरवानी अंजना केशरवानी प्रीति कौशल सीधा प्रसारण कर रहे रिशु मिश्रा लक्ष्मी कांत शर्मा मेडी लाल शर्मा उमाशंकर वर्मा साथ में मंचासीन सारंग वादक ढोलक मास्टर बैंजो मास्टर आदि हजारों की संख्या में लोग श्री राम कथा पंडाल में मौजूद रहे।

बालिका को बरामद कर नाबालिक बालक को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया

कौशांबी। मंझनपुर कोतवाली क्षेत्र में 22 जनवरी को स्कूल जा रही बालिका को एक नाबालिक बालक भाग ले गया था मंझनपुर मे अभियोग पंजीकृत हुआ दिनांक 27.01.2026 को पुलिस ने बालिका को बरामद किया बालिका भागने वाले नाबालिक बालक को दिनांक 29.01.2026 को पुलिस ने अभिरक्षा में लिया है विधिक कार्यवाही के पश्चात न्यायालय किशोर न्याय बोर्ड भेजा गया।

मोबाईल छीनने वाले दो अभियुक्त मोबाइल के साथ गिरफ्तार

कौशांबी। संदीपनघाट थाना क्षेत्र के मेला बाग के पास 24 जनवरी को बाइक सवारों ने छात्र से मोबाइल छीन लिया था संदीपनघाट में मु0अ0सं0 18/26 धारा 304(2)/317(2) बीएनएस पंजीकृत हुआ संदीपनघाट पुलिस ने दो अभियुक्तों सनुज कुमार दिवाकर पुत्र रामबरन दिवाकर निवासी बदनपुर थाना संदीपनघाट वा सुशील पाल पुत्र नरेश पाल निवासी म्यौहार थाना करारी को अंडर पास बदनपुर रामवनगमन पथ मार्ग से दो मोबाइल के साथ गिरफ्तार किया एक बाइक भी पुलिस ने बरामद की है आरोपियों को पुलिस ने अदालत में पेश किया है।

नाबालिग बालिका को भगा ले जाने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

कौशांबी। सराय अकिल थाना क्षेत्र में 22 जनवरी को नाबालिग बालिका को बहला-फुसला कर युवक भगा ले गया सराय अकिल थाना पर अभियोग पंजीकृत हुआ अभियुक्त राजेन्द्र पुत्र चिरौली लाल निवासी केवट का पुरवा थाना सराय अकिल को 29 जनवरी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है विधिक कार्यवाही के पश्चात अभियुक्त को न्यायालय भेजा गया।

कर्पूरी ठाकुर की मनाई गई जयंती

कौशांबी। मंझनपुर में एआईएमसीईए के तत्वावधान में गुरुवार को कर्पूरी ठाकुर की 102वीं जयंती का आयोजन हुआ । कार्यक्रम का शुभारंभ अध्यक्ष रामलोचन सेन द्वारा महात्मा बुद्ध एवं जननायक कर्पूरी ठाकुर के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर भारत रत्न कर्पूरी ठाकुर के जीवन और आदर्शों पर प्रकाश डाला गया कार्यक्रम का समापन सामाजिक एकता और जननायक कर्पूरी ठाकुर के विचारों को आत्मसात करने के संकल्प के साथ किया गया।

कुल प्राप्त दावें आपत्तियों के सापेक्ष 571 फार्मों का निस्तारण

कौशांबी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत दिनांक 06.01. 2026 से 28.01.2026 तक जनपद के तीनों विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों (251-सिराथू 252-मंझनपुर एवं 253-चायल) के लिये मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राज्जीय राजनैतिक दलों द्वारा नियुक्त किये गये बी.एल.ए. के माध्यम से मतदाता सूची में नाम सम्मिलित कराने के लिए प्रारूप -6 बहुजन समाज पाटी द्वारा 427, भाजपा द्वारा 725, कांग्रेस पाटी द्वारा 298 एवं समाजवादी पाटी द्वारा 652 कुल 2102 फार्म प्राप्त कराये गये हैं।इसके अतिरिक्त यह भी अवगत कराना है कि नामावलियों के आलेख्य प्रकाशन के पूर्व दिनांक 28.10.2025 से 05.01.2026 तक की अवधि में कुल 5603 प्रारूप-6, 82 प्रारूप-7 एवं 2532 प्रारूप-8 प्राप्त हुए है तथा आलेख्य प्रकाशन के पश्चात दिनांक 06.01.2026 से 28.01.2026 तक कुल 12854 प्रारूप-6, 213 प्रारूप-7 एवं 4060 प्रारूप-8 प्राप्त हुए है। कुल प्राप्त दावें आपत्तियों के सापेक्ष 571 फार्मों का नियमानुसार निस्तारण करा दिया गया है।

लूट के साथ हत्या करने वाला अभियुक्त आजीवन कारावास एवं 20,000 रुपये अर्थदण्ड की सजा से दंडित

कौशांबी। पश्चिम शरीरा थाना क्षेत्र के पूरब शरीरा निवासी फतेहबहादुर सिंह की 12 जून 2004 को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी और उसके बाद उनके पास से 40 हजार रुपए लूट लिए गए थे थाना पर मु0अ0सं0 46/2004 धारा 396/120बी/302 भादवि पंजीकृत हुआ जिसमें विवेचना के उपरान्त आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल हुआ 21 वर्षों के लंबे समय तक अदालत में हत्या का मुकदमा चला बचाव पक्ष ने अभियुक्त को निर्दोष बताया और सरकारी अधिवक्ता ने कठोर दंड दिए जाने की सिफारिश की अदालत ने आरोपी को हत्या का दोषी पाया और मुकदमे की सुनवाई के दौरान अदालत ने अभियुक्त मोहम्मद रईश पुत्र मोहम्मद शरीफ निवासी खन्तवा थाना खखरेरू जनपद फतेहपुर को आजीवन कठोर कारावास व 20,000 रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

20 किलोमीटर दूर कार्यालय में बैठकर एसआईआर में छूटे मतदाताओं के नाम का सत्यापन कर रहे अधिकारी

अखंड भारत संदेश

बूढ़े बिकलांग महिलायें कैसे जायेंगे एस आर आई फार्म लेकर तहसील अधिकारियों ने बुजुर्गों व विकलांगों को कर दिया परेशान

नेवादा कौशाम्बी। घर-घर जाकर एस आई आर फार्म के जरिए मतदाताओं का सत्यापन करने का निर्देश दिया है कि एसआईआर फॉर्म भरने के बाद जिन मतदाताओं के नाम छूट गए हैं उनका नाम बढ़ाने के लिए भी घर-घर जाकर सत्यापन करने का निर्देश दिए गए हैं लेकिन चायल तहसील क्षेत्र के नेवादा विकासखंड अंतर्गत औंधन सहित कई गांव के सत्यापन की जिम्मेदारी खंड विकास अधिकारी चायल को मिली है लेकिन खंड विकास अधिकारी चाइल्ड घर जा जाकर सत्यापन नहीं कर रहे हैं बल्कि वह अपने कार्यालय में बैठकर एसआईआर में छूटे मतदाताओं के नाम मतदाता सूची कंप्लीट करने के जुगाड़ में लगे हैं जिससे एक और जहां फजी नाम बढ़ने की संभावना है वही बूढ़े विकलांग कमजोर कैसे खंड विकास अधिकारी कार्यालय पहुंचेंगे जिससे उनका नाम शामिल होने में समस्याएं दिखाई पड़ रही हैं खंड विकास अधिकारी चायल का यह कारनामा नियमों के विपरीत है और नियमों के विपरीत काम करने वाले खंड विकास अधिकारी पर यदि अफसर ने कार्यवाही नहीं की तो एसआईएस फॉर्म में मतदाताओं के नाम में गड़बड़ी की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। निर्वाचन आयोग द्वारा एसआरआई का कार्य किया जा रहा है जो लगभग दो तीन माह से लोग परेशान हैं वहीं अधिकारी कुसी पर बैठ कर हुकूमत करने से बीडीओ बाज नहीं आते जिससे ग्रामीण तनाव पूर्ण जीवन जीने पर विवश हैं चायल तहसील के औधन गांव में बूढ़े विकलांग एवं महिलायें व अन्य लोग काफी परेशान हैं चायल ब्लाक के बिकास खन्ड अधिकारी दिनेश सिंह को इस गांव व अन्य गांव का ए ई आरओ का पद गठन द्वारा किया है जो गांव गांव में आकर सर्वे करने के बजाय अपने दफ्तर बुलाते हैं जो सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर बूढ़े बिकलांग एवं महिलायें व ग्रामीण 20 किलोमीटर दूर उनके कार्यालय कैसे जायेंगे साहब के दफ्तर कहां खोजेंगे जिससे बूढ़े व बिकलांग एवं ग्रामीण काफी परेशान दिखाई पड़ रहे हैं व तनाव पूर्ण जीवन जीने पर विवश हैं जिससे अधिकारियों पर ग्रामीण यह भी आरोप लगा रहे हैं कि अधिकारियों ने बूढ़े कमजोर लाचार बीमार मतदाताओं को मतदाता सूची सत्यापन के नाम पर परेशान कर दिया है।

विशेष अभियान की तिथि 31 जनवरी मतदेय स्थलों पर प्राप्त किए जायेंगे दावे आपत्तियां

कौशांबी। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत दावे और आपत्तियां (फार्म-6, 7 एवं 8) प्राप्त करने की विशेष अभियान की तिथि दिनांक 31.01.2026 (शनिवार) को निर्धारित की गयी हैं। इस निर्धारित तिथि में जनपद के तीनों विधान सभा निर्वाचन क्षेत्रों (251-सिराथू, 252-मंझनपुर एवं 253-चायल) के समस्त मतदेय स्थलों पर बूथ लेविल अधिकारियों द्वारा दावे आपत्तियां प्राप्त की जायेगी।उप जिला निर्वाचन अधिकारी शालिनी प्रभाकर ने अपील की है कि आयोजित विशेष अभियान की तिथि में अपने से सम्बन्धित मतदेय स्थलों में उपस्थित होकर आलेख्य रूप से प्रकाशित की गई,निर्वाचक नामावली का अवलोकन करते हुए यदि कोई कमी प्रदर्शित हो रही है,तो उस कमी को दूर करने के लिए यथा आवश्यक (फार्म-8, घोषणा पत्र सहित) एवं नाम सम्मिलित कराने के लिए (फार्म-6, घोषणा पत्र सहित) तथा नामों के अपमार्जन के लिए (फार्म-7) सम्बन्धित क्षेत्र के बूथ लेविल अधिकारियों को प्राप्त कराए।

सम्पादकीय

देश की प्रगति पर ब्रेक लगा रहा है ट्रैफिक जाम

देश आधारभूत सुविधाओं की कमी से जूझ रहा है। हर तरफ हाल–बेहाल है। देश के राजनीतिक दल ऐसी सुविधाएं के प्रति गंभीर नहीं हैं। यही वजह है कि इन सुविधाओं की कमी से देश का हर साल अरबों रुपयों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। राजनीतिक दल और सरकारें ऐसी सुविधाओं की कमी के लिए एक–दूसरे को कोस कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं। टॉमटॉम ट्रैफिक इंडेक्स 2025 के अनुसार बेंगलुरु दुनिया में दूसरा सबसे ज्यादा जाम वाला शहर है। रैंकिंग में सिर्फ मैक्सिको सिटी ऐसा शहर है, जहां ट्रैफिक की स्पीड बेंगलुरु से कम है। पांचवें स्थान पर महाराष्ट्र का पुणे शहर है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बेंगलुरु के जाम के कारण लोगों को एक साल में 168 घंटे गंवाने पड़े। यह समय 7 दिन और 40 मिनट के बराबर है। बॉस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीएजी) के सर्वे के अनुसार, सुबह 7 से 9 और शाम को 6 से 8 को पीक समय माना गया है। इस दौरान आने-जाने में औसत से डेढ़ गुना अधिक समय लगता है। इस सर्वे में कोलकाता की स्थिति सबसे खराब थी। बेंगलुरु दूसरे पायदान पर रहा। सबसे ज्यादा वाहनों की संख्या के बावजूद बेहतर सड़कों के चलते दिल्ली की स्थिति बेहतर रही। रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली में निजी वाहन से चलने वालों की संख्या सबसे अधिक 45 फीसदी रही, जबकि बेंगलुरु में यह आंकड़ा 38 फीसदी रहा। सार्वजनिक वाहनों के प्रयोग के मामले में मुंबई ने बाजी मारी, जिसके बाद कोलकाता का नंबर रहा। इस मामले में बेगलुरू सबसे निचले पायदान पर रहा जहां ट्रैफिक जाम आम हो गया है।

भारत के प्रमुख चार शहरों- दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और कोलकाता में ट्रैफिक जाम के चलते हर साल 1.47 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होता है। एक हालिया स्टडी में खुलासा हुआ है कि ट्रैफिक जाम के कारण बेंगलुरु को लगभग हर साल 20,000 करोड़ रुपये का भारी आर्थिक नुकसान होता है। भारत की सिलिकॉन वैली का सपना देखने वाले इस शहर में हर साल हजारों लोग आते हैं। पिछले 15 सालों में शहर की आबादी तेजी से बढ़ी है। अब यहां करीब 1.5 करोड़ लोग रहते हैं। सड़कों पर एक करोड़ से अधिक गाड़ियां हैं। गाड़ियों की संख्या कितनी तेजी से बढ़ रही है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने एक बयान में कहा था कि साल 2027 तक शहर में वाहनों की संख्या यहां की आबादी से ज्यादा होगी। दिल्ली में यातायात जाम से संबंधित आर्थिक नुकसान 2030 तक 14.7 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। अकेले यातायात जाम के कारण ईंधन की बबार्दी से प्रतिदिन लाखों डॉलर का नुकसान हो सकता है, जिससे शहर में पहले से ही गंभीर वायु गुणवत्ता की समस्या और भी बढ़ जाएगी। र?पोर्ट में पता चला कि कर्मचारियों ने काफी समय ट्रैफिक में फंसकर बिताया, जिससे उत्पादकता में काफी नुकसान हुआ। स्टडी का अनुमान है कि ट्रैफिक संबंधी बाधाओं के कारण अकेले आईटी सेक्टर को लगभग 7,000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

भरोसे एवं भारत की आवाज थे विरल पत्रकार मार्क टुली

-ललित गर्ग-

भारत की समकालीन इतिहास-यात्रा में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो केवल घटनाओं का वृत्तांत नहीं लिखते, बल्कि समय की चेतना में घुल-मिलकर स्वयं इतिहास का हिस्सा बन जाते हैं। सर विलियम मार्क टुली, जिन्हें दुनिया भर में स्नेह और सम्मान से ह्यमार्क टुलीह्न कहा गया, ऐसे ही विरल पत्रकार थे। उनका निधन केवल एक वरिष्ठ पत्रकार का जाना नहीं है, बल्कि उस पत्रकारिता-दृष्टि का अवसान है, जिसमें सत्य सनसनी से ऊपर और संवेदना आंकड़ों से अधिक महत्त्वपूर्ण होती थी। बीबीसी रेडियो की वह गूंजती हुई पंक्ति-ह्यदिस इज मार्क टुली रिपोर्टिंग फ्रॉम दिल्लीह्न, दशकों तक भारतीय उपमहाद्वीप में भरोसे, प्रामाणिकता और संतुलन का पर्याय बनी रही। मार्क टुली एक विदेशी पत्रकार भर नहीं थे, वे भारत की आत्मा के स्थायी प्रवासी थे, जिनमें भारतीयता रची-बसी थी। उनका भारत से रिश्ता किसी वीजा, नियुक्ति या करियर-रणनीति का परिणाम नहीं था, बल्कि वह रक्त और मिट्टी का संबंध था। 24 अक्टूबर 1935 को कोलकाता के टॉलीगंज में जन्मे टुली ने ब्रिटिश राज के अंतिम दौर का भारत देखा, जिया और महसूस किया। एक समृद्ध ब्रिटिश परिवार में जन्म लेने के बावजूद दार्जिलिंग के बोर्डिंग स्कूलों और भारतीय जनजीवन की विविध छवियों ने उनके भीतर एक ऐसी आत्मीयता एवं संस्कार बो दिया, जो जीवन भर पुष्पित-पल्लवित होती रही। नौ वर्ष की आयु में जब वे इंग्लैंड गए, तब भी भारत उनके भीतर जीवित रहा-स्मृतियों में, संवेदनाओं में और दृष्टि में।

कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में धर्मशास्त्र का अध्ययन करते समय उन्होंने पादरी बनने का विचार किया था। यह तथ्य अपने-आप में बहुत कुछ कहता है, क्योंकि सत्य की खोज, नैतिक विवेक और मानवीय करुणा उनके व्यक्तित्व की मूल धुरी थीं। किंतु नियति ने उन्हें चर्च की सीमित दीवारों से बाहर निकालकर एक ऐसे मंच पर खड़ा कर दिया, जहां वे पूरी मानवता से संवाद कर सकते थे। पत्रकारिता उनके लिए पेशा नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व थी। जब वे बीबीसी के संवाददाता के रूप में भारत लौटे, तो उन्होंने इसे एक असाइनमेंट नहीं बल्कि अपने घर लौटने जैसा अनुभव किया। मार्क टुली की पत्रकारिता की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे भारत को पश्चिमी चश्मे से नहीं देखते थे। वे सत्ता के गलियारों से अधिक गांव की चौपाल, मंदिर-मस्जिद के आंगन, खेतों की मेड़ और आम आदमी की चिंता को महत्त्व देते थे। आपातकाल हो या इंदिरा गांधी की राजनीति, सिख विरोधी दंगे हों या बाबरी मस्जिद विध्वंस, पंजाब का उग्रवाद हो या कश्मीर की पीड़ा-मार्क टुली ने हर विषय को संतुलन, गहराई और मानवीय संवेदना के साथ दुनिया के सामने रखा। वे घटनाओं के पीछे छिपी सामाजिक और सांस्कृतिक परतों को समझने की कोशिश करते थे, इसीलिए उनकी रिपोर्टिंग तत्कालीन शोर-शराबे से ऊपर उठकर स्थायी संदर्भ बन गई।

आज के आपाधापी और टीआरपी-केंद्रित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दौर में, जहाँ खबर से ज्यादा शोर और तथ्य से ज्यादा त्वरित प्रतिक्रिया को महत्व दिया जाता है, मार्क टली की पत्रकारिता एक उजली कसौटी बनकर सामने आती है। टीवी स्टूडियो की तीखी बहसों, चीखती हेडलाइनों और सतही विश्लेषण के उलट, मार्क टली ने यह सिद्ध किया कि शांत, संयमित और तथ्यपरक संवाद भी उतना ही प्रभावशाली होता है बल्कि अधिक विश्वसनीय होता है। उनकी पत्रकारिता दिल्ली के सत्ता-केंद्र तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह भारत की आत्मा-गाँव, कस्बे, आम जन और उनकी

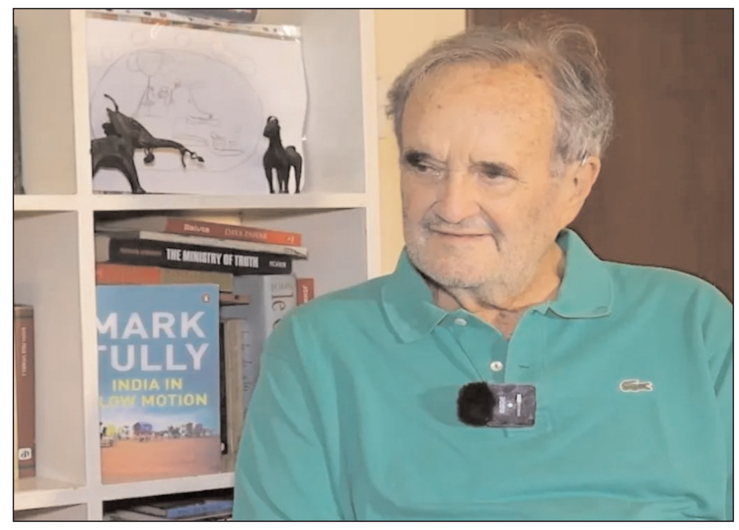

पीड़ा से जुड़ी हुई थी। आज जब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अक्सर सत्ता, बाजार और सनसनी के दबाव में अपनी विश्वसनीयता खोता दिख रहा है, तब मार्क टली की शैली यह सिखाती है कि पत्रकारिता का असली धर्म प्रश्न पूछना, सच को धैर्य से समझना और उसे बिना शोर के, पूरे संदर्भ के साथ प्रस्तुत करना है। उनका जीवन आज के टीवी मीडिया के लिए एक मौन लेकिन सशक्त संदेश है कि भरोसे की आवाज ऊँची नहीं, सच्ची होती है।

मार्क टुली की सबसे बड़ी देन यह थी कि उन्होंने भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया। वे मानते थे कि भारत किसी एक विचार, एक भाषा या एक संस्कृति से नहीं बनता, बल्कि यहां की बहुलता ही इसकी आत्मा है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई-ग्रामीण-शहरी, गरीब-अमीर, इन सबके बीच बहता हुआ संवाद ही भारत की असली पहचान है। जब दुनिया के कई हिस्से भारत को केवल गरीबी, अव्यवस्था या अराजकता के चश्मे से देखते थे, तब मार्क टुली ने भारत की सहिष्णुता, आध्यात्मिकता और जीवटता को रेखांकित किया। उन्होंने यह दिखाया कि यह देश विरोधाभासों के बावजूद नहीं, बल्कि उन्हीं के साथ जीना जानता है। मार्क टुली की आवाज रेडियो के माध्यम से करोड़ों लोगों के घरों तक पहुंचती थी। वह दौर ऐसा था, जब समाचार सुनने के लिए लोग घड़ी देखकर रेडियो ऑन करते थे। उनकी रिपोर्टिंग में नाटकीयता नहीं, बल्कि सजीवता-ठहराव था। वे कहते थे कि भारत को समझने के लिए अपनी घड़ी उतारकर रखनी पड़ती है। यह कथन केवल समय-संस्कृति की बात नहीं करता, बल्कि उस धैर्य और विनम्रता की ओर संकेत करता है, जिसके बिना भारत जैसे देश को समझा नहीं जा सकता। यही धैर्य उनकी पत्रकारिता में झलकता था।

एक विदेशी होकर भी उन्होंने भारतीयता पर गर्व करना सिखाया, वह भी उस समय, जब हम स्वयं अपनी जड़ों को लेकर संशय में थे। उनकी पुस्तकों और कार्यक्रमों में भारत केवल खबर नहीं, बल्कि एक जीवंत सभ्यता के रूप में उपस्थित रहता है। ह्यनो फुल स्टॉप्स इन इंडियाह्न जैसी कृतियां भारत की निरंतर चलती कहानी को सामने लाती हैं, जहां कोई अंतिम विराम नहीं, केवल प्रवाह है। उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की अव्यवस्थाओं की आलोचना भी की, लेकिन वह आलोचना स्नेह और चिंता से भरी होती थी, उपेक्षा या उपहास से नहीं। ब्रिटिश सरकार द्वारा नाइटहुड और भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना उनके योगदान की औपचारिक स्वीकृति है, लेकिन उनकी असली विरासत वह विश्वास है, जो भारतीय जनता ने उन पर किया। लोग उनकी बात इसलिए मानते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि यह व्यक्ति भारत को समझता है, उसे चाहता है और उसके साथ ईमानदार है।

आज के दौर में, जब पत्रकारिता तेजी से बदल रही है, प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड में, नई तकनीक के दबाव में हांफ रही है, तब मार्क टुली की कमी और अधिक महसूस होती है। उनका जाना उस युग का अंत है, जहां शब्दों की गरिमा थी और तथ्य पवित्र माने जाते थे।

वे हमें यह सिखाकर गए कि पत्रकारिता सूचना का व्यापार नहीं, बल्कि मानवता की सेवा है। भारत की मिट्टी में जन्मा, विदेशी धरती पर शिक्षित और अंततः भारत की ही गोद में समा जाने वाला यह व्यक्तित्व सदैव स्मृतियों में जीवित रहेगा। वे ऐसे विदेशी साक्षी थे, जिन्होंने भारत को केवल दुनिया की नजरों में ही नहीं, बल्कि भारतीयों की अपनी नजरों में भी नई गरिमा दी। मार्क टुली का जीवन इस बात का प्रमाण है कि सीमाएं नागरिकता तय कर सकती हैं, संवेदनाएं नहीं। उनकी आवाज भले ही अब रेडियो पर न गूंजे, लेकिन भारत की आत्मा में उनकी प्रतिध्वनि लंबे समय तक सुनाई देती रहेगी।

आखिर पहले की सरकारों ने नेताजी के पराक्रम को क्यों छिपाया? क्यों मोदी सारा सच सामने लाये?

नीरज कुमार दुबे ।

पराक्रम दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि भारत की उस चेतना का उत्सव है जिसने गुलामी को स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। यह दिन उस विचार का प्रतीक है कि स्वतंत्रता भीख में नहीं मिलती, उसे संघर्ष से प्राप्त किया जाता है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस का नाम भारतीय इतिहास में केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी के रूप में दर्ज नहीं है, बल्कि वह शौर्य, साहस और राष्ट्र के लिए सर्वस्व अर्पण करने की जीवंत चेतना हैं। गुलामी के कालखंड में जब पूरा देश भय, समझौते और याचना की राजनीति में उलझा था, तब नेताजी ने पराधीनता की जंजीरों को तोड़ने के लिए सशस्त्र संघर्ष का मार्ग चुना था। उनका जीवन स्वयं में पराक्रम की परिभाषा था। इसी पराक्रम, इसी अदम्य साहस और इसी ज्वलंत राष्ट्रभक्ति को स्मरण करने के लिए उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है।

पराक्रम दिवस केवल एक स्मृति दिवस नहीं, बल्कि भारत की उस चेतना का उत्सव है जिसने गुलामी को स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। यह दिन उस विचार का प्रतीक है कि स्वतंत्रता भीख में नहीं मिलती, उसे संघर्ष से प्राप्त किया जाता है। नेताजी ने आजाद हिंद फौज का गठन कर यह सिद्ध कर दिया था कि भारतीय अपने बलबूते साम्राज्यवादी ताकतों को चुनौती दे सकते हैं। उनका उद्घोष तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा केवल शब्द नहीं थे, बल्कि वह संकल्प था जिसने हजारों युवाओं को बलिदान के लिए तैयार कर दिया था।

इतिहास का यह कटु सत्य है कि आजादी के बाद लंबे समय तक नेताजी के योगदान को वह स्थान नहीं दिया गया जिसके वे अधिकारी थे। उनकी वीरता, उनकी वैकल्पिक सरकार और उनके सैन्य संघर्ष को असुविधाजनक मानकर हाशिये पर डाल दिया गया। ऐसे में पराक्रम दिवस का औपचारिक और राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाना केवल सम्मान नहीं बल्कि ऐतिहासिक सुधार है। यह उस अन्याय के खिलाफ घोषणा है जो दशकों तक नेताजी के साथ किया गया।

आज पराक्रम दिवस भारत को यह याद दिलाता है कि उसकी आजादी की नींव केवल वाताओं और प्रस्तावों पर नहीं, बल्कि रणभूमि के संकल्प, सैनिक अनुशासन और सर्वोच्च बलिदान पर रखी गई थी। नेताजी का शौर्य आज भी भारत की नसों में दौड़ता है और पराक्रम दिवस उस चेतना को पुनः जागृत करने का राष्ट्रीय अवसर है।

सारा देश आज पराक्रम दिवस पर नेताजी को नमन कर रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि नेताजी का अदम्य साहस, अडिग संकल्प और राष्ट्र के लिए उनका अतुलनीय योगदान आज भी हर भारतीय को मजबूत भारत के निर्माण के लिए प्रेरित करता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नेताजी निर्भीक नेतृत्व और प्रखर राष्ट्रभक्ति के ऐसे प्रतीक हैं जिनकी चमक समय के साथ और तेज होती गई है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस उनके जीवन की प्रेरणा रहे हैं।

उन्होंने 23 जनवरी 2009 को गुजरात में ई ग्राम विश्वग्राम योजना के शुभारंभ को याद किया। यह योजना गुजरात के सूचना प्रौद्योगिकी परिदृश्य को बदलने की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल थी। प्रधानमंत्री ने बताया कि इस योजना का शुभारंभ हरिपुरा से किया गया था, जिसका नेताजी के जीवन में विशेष स्थान रहा है। उन्होंने हरिपुरा की जनता द्वारा दिए गए स्नेहपूर्ण स्वागत और उसी मार्ग पर निकाले गए जुलूस को भी स्मरण किया जिस मार्ग से कभी नेताजी गुजरे थे।

प्रधानमंत्री ने 2012 में अहमदाबाद में आयोजित आजाद हिंद फौज दिवस के भव्य कार्यक्रम को भी याद किया। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में देश भर से वे लोग एकत्र हुए थे जो नेताजी से प्रेरणा लेते हैं। इस अवसर पर तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष पीए संगमा भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि लंबे समय तक देश पर शासन करने वालों के एजेंडे में नेताजी के गौरवशाली योगदान को स्मरण करना शामिल नहीं था। इसलिए योजनाबद्ध ढंग से उन्हें भुलाने के प्रयास किए गए। लेकिन वर्तमान सरकार का विश्वास इससे अलग है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर संभव अवसर पर नेताजी के जीवन और उनके आदर्शों को जन जन तक पहुंचाने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि इसी क्रम में नेताजी से संबंधित फाइलों और दस्तावेजों को सार्वजनिक करना एक ऐतिहासिक कदम रहा।

प्रधानमंत्री ने 2018 को भी ऐतिहासिक वर्ष बताया। उन्होंने कहा कि लाल किले पर आजाद हिंद सरकार की स्थापना की पचहत्तरवीं वर्षगांठ मनाई गई और तिरंगा फहराने का उन्हें सौभाग्य मिला। उसी वर्ष अंडमान निकोबार में श्रीविजयपुरम में भी नेताजी द्वारा तिरंगा फहराने की पचहत्तरवीं वर्षगांठ मनाई गई और तीन द्वीपों के नाम बदले गए जिनमें रास द्वीप का नाम नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप रखा गया। प्रधानमंत्री ने लाल किले में स्थापित क्रांति मंदिर संग्रहालय का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां नेताजी और आजाद हिंद सेना से जुड़ी अमूल्य धरोहरें सुरक्षित रखी गई हैं। उन्होंने कहा कि नेताजी की जयंती को पराक्रम दिवस घोषित करना और इंडिया गेट के पास उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित करना राष्ट्र के लिए गर्व के क्षण हैं।

देखा जाये तो आजादी के बाद सत्ता की राजनीति ने चुन चुन कर नायकों को गढ़ा और कुछ नायकों को मिटाने की कोशिश की। नेताजी की विरासत को पाठ्यपुस्तकों में सीमित कर दिया गया था लेकिन मोदी सरकार ने इस चुप्पी को तोड़ा। नेताजी से जुड़ी फाइलों का सार्वजनिक होना केवल कागजों का खुलना नहीं था बल्कि इतिहास पर जमी धूल को हटाना था। साथ ही लाल किले पर आजाद हिंद सरकार की वर्षगांठ मना कर यह संदेश दिया गया था कि भारत की आजादी केवल एक रास्ते से नहीं आई बल्कि बलिदान, संघर्ष और सशस्त्र प्रतिरोध से भी आई है। इंडिया गेट के पास नेताजी की भव्य प्रतिमा स्थापित करना भी एक ऐतिहासिक निर्णय रहा। वर्षों तक वहां एक औपनिवेशिक प्रतीक खड़ा रहा। अब उसकी जगह वह सेनानी खड़ा है जिसने ब्रिटिश साम्राज्य को सबसे बड़ी चुनौती दी। यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को बताएगी कि भारत का आत्मसम्मान किन कंधों पर टिका है।

मोदी सरकार के इन निर्णयों में एक स्पष्ट विचारधारा दिखाई देती है। यह विचारधारा है आत्मगौरव की, इतिहास से सच निकालने की और राष्ट्रनायकों को उनका हक दिलाने की। नेताजी का सम्मान केवल उनका सम्मान नहीं बल्कि उन लाखों गुमनाम सेनानियों का सम्मान है जिन्होंने आजाद हिंद फौज की वर्दी पहनकर जान की बाजी लगाई। आज जब पराक्रम दिवस मनाया जाता है तो यह केवल अतीत की पूजा नहीं बल्कि वर्तमान को झकझोरने का अवसर है।

नेताजी हमें सिखाते हैं कि राष्ट्र के लिए साहसिक निर्णय कैसे लिए जाते हैं। मोदी सरकार ने उनके नाम पर लिए गए फैसलों से यह स्पष्ट कर दिया है कि अब भारत समझौतावादी स्मृतियों से बाहर निकल चुका है। नेताजी की वीरता, उनका त्याग और उनका स्वप्न अब केवल भाषणों में नहीं बल्कि राष्ट्रीय चेतना में जीवित है। यही सच्ची श्रद्धांजलि है और यही इतिहास का न्याय।

मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स ने ट्रंप की टैरिफ वाली राजनीति को दिया तगड़ा जवाब

नीरज कुमार दुबे ।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच लंबे इंतजार के बाद मुक्त व्यापार समझौता आखिरकार संपन्न हो गया। इसे दोनों पक्षों ने मदर ऑफ ऑल डील्स कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा के साथ इस समझौते के राजनीतिक ऐलान पर हस्ताक्षर और आदान प्रदान हुआ। इस अवसर पर यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि आज भारत और यूरोप इतिहास बना रहे हैं। यह समझौता दो अरब लोगों का मुक्त व्यापार क्षेत्र तैयार करता है जिससे दोनों पक्षों को लाभ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल शुरूआत है और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत किया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर को भारत के आर्थिक भविष्य के लिए निर्णायक बताते हुए कहा कि भारत और यूरोपीय संघ मिलकर वैश्विक जीडीपी का लगभग पच्चीस प्रतिशत और दुनिया के कुल व्यापार का करीब एक तिहाई हिस्सा रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह समझौता एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों और करोड़ों यूरोपीय नागरिकों के लिए नए अवसर खोलेगा।

हम आपको बता दें कि इस मुक्त व्यापार समझौते के तहत यूरोपीय संघ अपने लगभग 97 प्रतिशत वस्तु निर्यात पर भारत में शुल्क हटाएगा या कम करेगा। इससे हर साल करीब चार अरब यूरो की बचत होगी। भारत के लिए इसका मतलब है कि यूरोपीय कारें, बीयर, जैतून का तेल और प्रोसेस्ड फूड सस्ते होंगे। वहीं भारत को कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद और कई श्रम आधारित क्षेत्रों में शुल्क मुक्त या रियायती पहुंच मिलेगी। देखा जाये तो भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते के बाद भारत में कई यूरोपीय उत्पाद सस्ते होने की संभावना है। इस समझौते के तहत यूरोप से आयात होने वाली प्रीमियम कारों पर शुल्क में

कटौती होगी जिससे बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज जैसी गाड़ियां पहले के मुकाबले कम कीमत पर उपलब्ध हो सकेंगी। यूरोपीय शराब, बीयर और वाइन पर भी टैक्स घटेगा जिससे ये उत्पाद आम उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुलभ होंगे। इसके अलावा, चॉकलेट और अन्य खाद्य वस्तुएं भी सस्ती हो सकती हैं। साथ ही मेडिकल उपकरण, ऑप्टिकल मशीनें और उन्नत तकनीकी सामान पर शुल्क हटने से स्वास्थ्य सेवाओं और उद्योगों की लागत कम होगी। वहीं रत्न, आभूषण और प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों में शून्य शुल्क का लाभ मिलने से इन उत्पादों की कीमतों पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा और घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

समझौते के तहत मशीनरी, रसायन और दवाओं पर ऊंचे शुल्क लगभग खत्म हो जाएंगे। विमान और अंतरिक्ष उपकरणों पर भी शुल्क हटाने का रास्ता साफ हुआ है। यूरोपीय संघ का अनुमान है कि इससे वर्ष 2032 तक उसका भारत को निर्यात दोगुना हो सकता है। साथ ही दोनों पक्षों ने व्यापार के साथ सुरक्षा और रक्षा साझेदारी की भी घोषणा की है। यूरोपीय संघ ने अगले दो वर्षों में पांच सौ मिलियन यूरो की सहायता से भारत के हरित ऊर्जा और जलवायु प्रयासों को समर्थन देने की बात भी कही है। यह समझौता केवल आर्थिक नहीं बल्कि जलवायु और रणनीतिक आयाम भी रखता है। हम आपको यह भी बता दें कि इस समझौते के लागू होने में अभी कुछ समय लगेगा और इसके 2027 की शुरूआत में प्रभावी होने की संभावना है।

देखा जाये तो भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ यह मुक्त व्यापार समझौता बदलती वैश्विक राजनीति में एक स्पष्ट संदेश भी है। यह संदेश खास तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दबाव और टैरिफ आधारित नीति के लिए करारा झटका है। बीते वर्षों में अमेरिका ने व्यापार को हथियार की तरह इस्तेमाल किया। ऊंचे शुल्क धमकियां और सहयोगियों पर दबाव ट्रंप की पहचान बन गई। भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर अतिरिक्त शुल्क और यूरोप पर लगातार दबाव इसी नीति का उदाहरण हैं। ऐसे माहौल में भारत और यूरोपीय संघ का एक दूसरे के साथ इतनी व्यापक डील करना यह दिखाता है कि दुनिया अब दबाव नहीं बल्कि साझेदारी चाहती है।

यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका और यूरोप के बीच व्यापार वार्ता ठंडी पड़ी हुई है। यूरोप ने साफ कर दिया कि वह अपमान और धमकी की राजनीति के आगे नहीं झुकेगा। भारत ने भी अमेरिका के साथ व्यापार वाताओं में कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अपनी लाल रेखा स्पष्ट रूप से सामने रखी है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विदेश नीति ने पिछले एक दशक में आत्मविश्वास और व्यवहारिकता का नया मेल दिखाया है। भारत ने अमेरिका, यूरोप, रूस और एशिया सभी के साथ अपने हितों के आधार पर संबंध रखे। भारत न तो किसी दबाव में झुका और न ही टकराव की भाषा अपनाई। यही कारण है कि यूरोपीय संघ जैसा जटिल समूह भारत के साथ इतने व्यापक समझौते पर सहमत हुआ।

नीति आयोग चयनित स्कूलों पर डीएम की समीक्षा, तय की तीन हफ्ते की डेडलाइन

- चयनित स्कूलों को मिले सुदृढ़ीकरण के निर्देश
- कागज नहीं, जमीन पर काम चाहिए

अखंड भारत संदेश

समीक्षा बैठक में मौजूद डीएम व अन्य

चित्रकूट। नीति आयोग द्वारा चयनित नगर क्षेत्र के परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने की दिशा में जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने 29 जनवरी को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में विद्यालयों में कराए जा रहे सुदृढ़ीकरण कार्यों की प्रगति की गहन समीक्षा की और स्पष्ट शब्दों में गुणवत्ता से कोई समझौता न करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा, नगर शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार दीक्षित, जिला समन्वयक निर्माण रजनीश कुमार कनौजिया, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी राहुल गौड़, अपर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी बीएल यादव तथा कार्यदायी संस्था आवास विकास बांदा के अवर अभियंता रोहित कुमार सहित चयनित आठ विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व इंचार्ज प्रधानाध्यापक मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि सभी अवशेष कार्य तीन सप्ताह के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कर रिपोर्ट जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। साथ ही प्रधानाध्यापकों को विद्यालयों की कमियों की बिंदुवार सूची नगर शिक्षा अधिकारी को देने और नगर शिक्षा अधिकारी को सभी विद्यालयों का स्थलीय निरीक्षण कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। बैठक में सती सावित्री प्राथमिक विद्यालय तरौंहा, कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय तरौंहा, प्राथमिक विद्यालय नया बाजार बदलूगंज, कम्पोजिट स्कूल सीतापुर पार्ट-2, कम्पोजिट नया बाजार रफिक के चौसरा, कम्पोजिट राजर्षि भारती टैगोर स्कूल, कम्पोजिट प्राथमिक विद्यालय सीतापुर पार्ट-1 तथा प्राथमिक विद्यालय इस्लामिया तरौंहा शामिल रहे।

चित्रकूट में कर्मचारी परिषद का शक्ति प्रदर्शन प्रदीप पांडेय बने सर्वसम्मति से जिलाध्यक्ष

- संयुक्त परिषद का द्विवार्षिक अधिवेशन
- नई टीम को मिली जिम्मेदारी

अखंड भारत संदेश

नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष को सम्मानित करते सदस्यगण

चित्रकूट। जिले में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद की जनपदीय शाखा का द्विवार्षिक अधिवेशन गुरुवार को पूरे उत्साह और संगठनात्मक मजबूती के संदेश के साथ संपन्न हुआ। जिला मुख्यालय स्थित कृषि भवन सभागार में आयोजित अधिवेशन की अध्यक्षता परिषद के संरक्षक वीरेन्द्र कुमार द्विवेदी ने की, जबकि चुनाव अधिकारी के रूप में मण्डल अध्यक्ष ओम प्रकाश मिश्र की उपस्थिति में सर्वसम्मति से चुनाव प्रक्रिया पूर्ण कराई गई। इस दौरान प्रदीप कुमार पांडेय को परिषद का नया जिलाध्यक्ष चुना गया, वहीं अशोक कुमार यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष, राजेन्द्र सिंह जिला महामंत्री, बृजेश कुमार यादव कोषाध्यक्ष और महेन्द्र सिंह यादव संप्रेक्षक बनाए गए। छात्र राजनीति से पहचान बना चुके गोस्वामी तुलसीदास राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व तेजतर्रार छात्र नेता अनुराग द्विवेदी को मीडिया प्रभारी का दायित्व सौंपा गया। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को संघ के संविधान की शपथ दिलाई गई तथा 15 दिनों के भीतर पूर्ण कार्यकारिणी गठित कर शपथ ग्रहण कराने के निर्देश दिए गए। अधिवेशन में बड़ी संख्या में कर्मचारी प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने संगठन की एकजुटता और सक्रियता को स्पष्ट रूप से दर्शाया।

43 करोड़ के कोषागार घोटाले में रिश्तेदार निशाने पर, पुलिस जांच पर उठे गंभीर सवाल

- संगठित अपराध बनाम संगठित वसूली, कटघरे में एसआईटी?
- न्याय की तलाश या पैसे की वसूली?
- गिरफ्तारी, फरारी और फोन कॉल

हिरासत में कानून या बदसलूकी, पुलिसिया कार्रवाई पर गंभीर आरोप

पुलिस गिरफ्त में मौजूद आरोपियों ने दबे स्वरों में कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। कहना है कि जांच के नाम पर पुलिस नियमों की खुलेआम अनदेखी कर रही है और आरोपियों के साथ बदतमीजी की जा रही है। आरोप है कि पूछताछ के दौरान न केवल मानसिक दबाव बनाया जा रहा है, बल्कि गाली–गलौज जैसे व्यवहार भी किए जा रहे हैं। हिरासत में लिए गए लोगों का कहना है कि कानूनी प्रक्रिया के बजाय डर और दबाव के सहारे बयान लेने की कोशिश हो रही है, जिससे उनका शोषण हो रहा है। इन आरोपों ने पुलिस की कार्यप्रणाली और निष्पक्ष जांच पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चित्रकूट। जिले के बहुचर्चित 43.13 करोड़ रुपये के कोषागार घोटाले की एसआईटी जांच अब खुद कटघरे में खड़ी नजर आने लगी है। सूत्रों के हवाले से जो तस्वीर उभरकर सामने आ रही है, वह न सिर्फ चौंकाने वाली है बल्कि कानून व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। आरोप है कि पुलिस इस पूरे मामले को न्याय की खोज के बजाय कमाई का जरिया बनाकर चला रही है। नामजद आरोपियों की तलाश के नाम पर उनके रिश्तेदारों को फोन कर खुलेआम रकम की मांग की जा रही है और जब परिजन पैसे देने से इनकार करते हैं तो या तो गिरफ्तारी हो जाती है या फिर फरार घोषित कर दिया जाता है। अब तक इस घोटाले में 36 लोगों को आरोप के आधार पर गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है, जिसमें ताजा नाम देव कुमार त्रिपाठी का जुड़ा है। पुलिस इस पूरे प्रकरण को संगठित अपराध का नाम दे रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि जांच की सुई अब कथित अपराधियों से ज्यादा उनके रिश्तेदारों पर टिक गई है। कई ऐसे लोग, जो केवल रिश्तेदार हैं, न तो कोषागार से जुड़े हैं और न ही किसी लेनदेन में प्रत्यक्ष भूमिका में, सिर्फ संपन्न होने के कारण सीधे पुलिस के निशाने पर हैं? चर्चा तो यहां तक है कि गिरफ्तार किए गए लोगों से बंदूक की नोक पर रिश्तेदारों के नाम उगलवाए जा रहे हैं, ताकि जांच व गिरफ्तारी का दायरा और बढ़ाया जा सके? दूसरी ओर, एसआईटी यह दावा कर रही है कि आठ बिचौलियों के संगठित नेटवर्क ने पेंशनरों को झांसे में लेकर करोड़ों की निकासी कराई और अब तक 35 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की जा चुकी है। लेकिन जब जांच का तरीका ही सवालों में हो, तो यह पूछना लाजमी है कि क्या कोषागार घोटाले की एसआईटी जांच सच में न्याय की राह पर है या फिर दबाव, डर और वसूली का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है?

कस्तूरबा विद्यालय में एचपीवी टीकाकरण, 100 बालिकाओं को लगा टीका

चित्रकूट। दिनांक 29 जनवरी को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय में एचपीवी वैक्सीन का टीकाकरण कार्यक्रम पूरे उत्साह के साथ हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य चिकित्सा अधिकारी चित्रकूट डॉ भूपेश द्विवेदी ने किया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शिवरामपुर के चिकित्सा अधीक्षक डॉ राजेश सिंह तथा अधिकारियों-कर्मचारियों की निगरानी में दो टीमों द्वारा 100 बालिकाओं को टीका लगाया गया। इनमें 19-07-2025 को प्रथम डोज प्राप्त कर चुकी बच्चियों को आज द्वितीय डोज दी गई। कार्यक्रम में डॉ राजकुमार तिवारी, आशीष कुशवाहा, रोहित अग्रवाल, मनोज द्विवेदी (यूनिसेफ), एएनएम प्रेमपती, अकांक्षा चौधरी, मंजू देवी, सोनू देवी, निशा सिंह, रेशमा सहित स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

चित्रकूट में मंत्री नंदी ने बचाई व्यापारी समाज की लाज, सीएम से मिले पीड़ित पिता

- अवसरवाद में खोता जनप्रतिनिधियों का हौसला
- नेताओं की मौन नीति पर उठे तीखे सवाल

चित्रकूट। यह घटना किसी एक परिवार के निजी शोक तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे जिले की संवेदनहीन होती राजनीतिक आत्मा का आईना है। जिले में एक कपड़ा व्यापारी के बेटे आयुष केशरवानी के साथ जो हुआ, उसने सभ्य समाज की नींव हिला दी-अपहरण के बाद निर्मम हत्या, और उसके बाद ऐसा सन्नाटा मानो यह त्रासदी किसी फाइल का नंबर भर हो। उससे भी अधिक पीड़ादायक यह तथ्य रहा कि इस भीषण अन्याय के बाद जिले से कोई भी ऐसा दमदार जननेता सामने नहीं आया, जो निर्भीक होकर पीड़ित परिवार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा होता और न्याय मिलने तक संघर्ष का संकल्प लेता। जो चेहरे दिखाई दिए, वे अधिकांशतः अवसर की तलाश में थे- घर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करना, फोटो लेना, औपचारिक उपस्थिति दर्ज कराना और फिर चुपचाप लौट जाना- ठीक वैसे ही जैसे कभी मानिकपुर के ममता मिश्रा कांड में हुआ था, जहाँ आज भी न्याय की प्रतीक्षा अधूरी है। ऐसे निराशाजनक माहौल में यह तथ्य चौंकाता है कि चित्रकूट से बाहर के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने पीड़ित पिता अशोक केशरवानी का हाथ थामा और उन्हें सपरिवार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलवाया। आयुष हत्याकांड के परिजन लखनऊ पहुँचे, जहाँ मुख्यमंत्री ने उन्हें सांत्वना देते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। परिजनों ने एनकाउंटर में मारे गए अपहरणकर्ता कल्लू और घायल आरोपी इमरान के घर पर बुलडोजर कार्रवाई की माँग के साथ-साथ इमरान के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कदम उठाने की गुहार लगाई। इस मुलाकात में मंत्री नंदी की सक्रिय मौजूदगी ने एक तीखा प्रश्न खड़ा कर दिया है- क्या चित्रकूट में सचमुच नेतृत्व का अभाव हो गया है, या फिर यहाँ के जनप्रतिनिधि केवल अवसरवाद की आग पर अपनी राजनीतिक रोटियाँ सेंकने में ही व्यस्त रह गए हैं? यही प्रश्न आज जिले की चेतना को भीतर तक कचोट रहा है।

सुलह की ताकत से न्याय, चित्रकूट न्यायालय में शुरू हुआ मध्यस्थता अभियान- 2.0

चित्रकूट। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उप्र राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देशन में जनपद चित्रकूट में राष्ट्र के लिये मध्यस्थता अभियान-2.0 पूरी ऊर्जा के साथ संचालित किया जा रहा है। इस क्रम में शेषमणि शुक्ला, जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चित्रकूट ने जनपद न्यायालय में कार्यरत समस्त न्यायिक अधिकारियों को अधिकाधिक वादों को सुलह/समझौते हेतु मध्यस्थता केंद्र में संदर्भित करने के निर्देश दिए। सचिव इला चौधरी ने बताया कि पूर्व अभियान 1.0 में बड़ी संख्या में मामलों का सफल निस्तारण हुआ था। उसी सफलता को आगे बढ़ाते हुए अभियान 2.0 के माध्यम से त्वरित, सौहार्दपूर्ण न्याय का मार्ग प्रशस्त किया जा रहा है। आमजन से अपील है कि लंबित वादों का समाधान मध्यस्थता से कराएं।

रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष योजना की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक, 154 प्रकरण स्वीकृत

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में 29 जनवरी को कलेक्ट्रेट सभागार चित्रकूट में आयोजित उप्र रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष योजना की बैठक ने महिला-बाल सुरक्षा के प्रति प्रशासन की सख्त प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने अवगत कराया कि जघन्य हिंसा की शिकार महिलाओं व बालिकाओं को योजना की 9 धाराओं/धारा 326(क), 304(ख), 376(क), 376(ग), 376(घ), पाक्सो की धारा 4, 6, 14 तथा धारा 302 के साथ पतित पाक्सो की धारा 4 या 6/के अंतर्गत आर्थिक सहायता का प्रावधान है। समिति के समक्ष प्रस्तुत 14 प्रकरणों में से 12 को पात्र और 2 को अपात्र ठहराया गया, जबकि अब तक जिला संचालन समिति द्वारा कुल 154 प्रकरण स्वीकृत किए जा चुके हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में सखी वन स्टॉप सेंटर की जिला टास्क फोर्स की बैठक भी सम्पन्न हुई, जहां बताया गया कि उत्पीड़न, यौन शोषण, घरेलू हिंसा, तस्करी, एसिड अटैक व छेड़छाड़ जैसी घटनाओं की पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे कानूनी सहायता, पुलिस सहयोग, परामर्श, मेडिकल सुविधा, रेस्क्यू वाहन तथा 10 दिनों तक ठहरने की सुविधा मिलती है। जुलाई से अब तक महिला हेल्पलाइन-181 व पुलिस माध्यम से 180 प्रकरण प्राप्त हुए हैं, जिनमें शासन निर्धारित सभी सुविधाएं दी गईं। जिलाधिकारी ने लंबित मामलों के त्वरित निस्तारण और प्रकरणों की संख्या बढ़ाकर अधिकतम पीड़िताओं तक सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी, एडीएम (न्यायिक), सीएमओ सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

घरों का गंदा पानी तालाब में, डीएम पुलकित गर्ग ने लिया हालात का जायजा

- जलकुंभी से पटी जलधरोहर
- मोहल्लेवासियों की शिकायत पर डीएम सख्त

निरीक्षण में तालाब का जायजा लेते डीएम

चित्रकूट। नगर क्षेत्र की बदहाल जल संरचनाओं को लेकर जिला प्रशासन अब एक्शन मोड में नजर आ रहा है। दिनांक 29 जनवरी को जिलाधिकारी पुलकित गर्ग ने नगर क्षेत्र अंतर्गत गोल तालाब, कुंजन पुरवा, तुलसी नगर, वार्ड संख्या-06 का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी। निरीक्षण के दौरान यह चौंकाने वाली स्थिति सामने आई कि कुंजन पुरवा क्षेत्र के घरों से निकलने वाला गंदा पानी सीधे गोल तालाब में प्रवाहित हो रहा है, वहीं तालाब में जलकुंभी का इतना अधिक फैलाव है कि पानी अत्यंत दूषित हो चुका है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए जिलाधिकारी ने अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद चित्रकूटधाम कर्वी को निर्देश दिए कि तालाब में गिरने वाले नालियों व नालों के पानी को रोकने हेतु तत्काल कार्य योजना तैयार कर नाली निर्माण की कार्रवाई शीघ्र सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान मोहल्लेवासियों ने नियमित साफ-सफाई न होने की शिकायत भी रखी, जिस पर डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन और नियमित सफाई व्यवस्था के निर्देश दिए गए। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने गंगा जी रोड स्थित भैरो पागा, संतोषी माता मंदिर के पास बनी बावली का भी निरीक्षण कर उसके संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण हेतु विस्तृत कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिशासी अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे, जिससे नगर की सफाई और जल संरक्षण को लेकर प्रशासनिक गंभीरता साफ झलकी।

मतदाता सूची की कसौटी कड़ी- आयोग के निर्देशों पर चित्रकूट में समयबद्ध सत्यापन

- 2026 पुनरीक्षण मोड में
- ऑनलाइन अभिलेखों की प्राथमिक जांच

चित्रकूट। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पुलकित गर्ग ने बताया कि मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश एवं भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के क्रम में 01 जनवरी 2026 को अर्हता तिथि मानते हुए विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) तेज रफ्तार में आगे बढ़ाया जा रहा है। घोषित संशोधित कार्यक्रम के तहत 6 जनवरी से 27 फरवरी तक नोटिस से जुड़ी समस्त कार्यवाहियां गतिमान हैं। इस दौरान ईआरओ नेट पोर्टल के डीईओ लॉगिन/ई-मेल पर जनपद चित्रकूट सहित अन्य जनपदों व प्रदेशों से प्राप्त ऑनलाइन निर्वाचक अभिलेखों का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध सत्यापन जिला निर्वाचन अधिकारी स्तर पर कराया जाएगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में दिए गए निर्देशों के अनुपालन में जनपद स्तरीय अधिकारियों को सत्यापन हेतु नामित किया गया है। विधानसभा क्षेत्र 236 चित्रकूट में अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे स्वप्निल कुमार यादव एवं उप जिलाधिकारी न्यायिक राजापुर राकेश कुमार पाठक, जबकि विधानसभा क्षेत्र 237 मानिकपुर में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व चंद्रशेखर तथा उप जिलाधिकारी न्यायिक कर्वी सौरभ यादव को दायित्व सौंपा गया है। नामित अधिकारी ईआरओ नेट पर डीईओ लॉगिन व ई-मेल से प्राप्त अभिलेखों का परीक्षण कर उन्हें ईआरओ को प्रत्यावर्तित करेंगे। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2026 के अंतर्गत यह पूरी प्रक्रिया आयोग के निदेर्शानुसार पारदर्शिता, सुचिता और समयबद्धता के साथ संपन्न की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय अग्रहरि वैश्य समाज की विशाल बैठक शिक्षा, विवाह व राजनीतिक भागीदारी पर सशक्त मंथन

- अग्रहरि समाज की हुंकार, समाज की ऐतिहासिक एकजुटता

अंतर्राष्ट्रीय अग्रहरि वैश्य समाज बैठक में अतिथि को सम्मानित करते

चित्रकूट। सामाजिक एकता और एकजुटता को नई मजबूती देने की दिशा में अंतर्राष्ट्रीय अग्रहरि वैश्य समाज की एक विशाल और प्रभावशाली बैठक का आयोजन हुआ, जिसने समाज को संगठन और संवाद का सशक्त मंच प्रदान किया। कार्यक्रम के संस्थापक एससी अग्रहरि रहे, जबकि आयोजन की कमान राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप अग्रहरि ने संभाली। मुख्य अतिथि के रूप में कैलाश चंद्र अग्रहरि की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रदेश अध्यक्ष लवकुश अग्रहरि (चित्रकूट) ने अपने ओजस्वी संबोधन में समाज के सामने खड़ी जमीनी चुनौतियों को बेबाकी से रखा। उन्होंने समाज में लड़कों की संख्या अधिक होने से उत्पन्न वैवाहिक समस्याओं पर गंभीर चिंता जताई और समाधान के रूप में बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सामूहिक विवाह तथा सामाजिक सहयोग को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र अग्रहरि की सक्रिय सहभागिता ने युवाओं में नई ऊर्जा भरी। संघे शक्ति कलयुगे का संदेश देते हुए वक्ताओं ने एकता, संगठन और राजनीतिक भागीदारी को समय की मांग बताया तथा समाज को मजबूत करने के लिए नियमित बैठकों की आवश्यकता पर बल दिया।

30 जनवरी तक खुला रहेगा राशन का दरवाजा, कार्डधारकों को राहत

चित्रकूट। जिला पूर्ति अधिकारी कमल नयन सिंह ने राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अंतर्गत कार्डधारकों के लिए बताया कि माह जनवरी 2026 के सापेक्ष आवंटित खाद्यान्न का वितरण अब 30 जनवरी तक विस्तारित कर दिया गया है, जिससे कोई भी पात्र लाभार्थी राशन से वंचित न रहे। इस अवधि में ई-पॉस मशीन के माध्यम से आधार आधारित वितरण जारी रहेगा, वहीं मोबाइल ओटीपी से राशन लेने की सुविधा भी 30 जनवरी तक उपलब्ध रहेगी।

बरगढ़ में गरजा प्रशासन का बुलडोजर, गांव समाज की जमीन पर चला कानून का डंडा

- धारा 67 के नोटिस जारी
- अतिक्रमणकारियों पर कसा शिकंजा

बरगढ़/चित्रकूट। मऊ तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत बरगढ़ में गांव समाज की जमीन पर वर्षों से जमे अवैध कब्जों पर आखिरकार प्रशासन का बुलडोजर गरज उठा। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के सख्त निदेर्शों पर उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन ने जेसीबी मशीन के साथ मौके पर पहुंचकर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण हटवाया। ग्राम प्रधान शैलेश कुमार शुक्ला सहित ग्रामीणों की लगातार शिकायतों के बाद हुई इस कार्रवाई से पूरे इलाके में प्रशासनिक सख्ती का संदेश गया। अभियान के दौरान गांव समाज की जमीन को कब्जामुक्त कराया गया, जबकि शेष बचे अतिक्रमणकारियों के खिलाफ उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता की धारा 67 के तहत नोटिस जारी कर स्वयं कब्जा हटाने के निर्देश दिए गए। कार्रवाई के समय किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए भारी पुलिस बल तैनात रहा। क्षेत्राधिकारी मऊ फहद अली, बरगढ़ थाना पुलिस टीम, राजस्व निरीक्षक मुहम्मद असलम सिद्दीकी और लेखपाल शिव विलास सिंह की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी पुलकित गर्ग के नेतृत्व में चित्रकूट जनपद में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ व्यापक अभियान जारी है, जिससे सरकारी और ग्राम समाज की जमीनों को मुक्त कराकर कानून का राज स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

मधेस में लगे 'राजा' के समर्थन में जोरदार नारे

नेपाल

नेपाल के पूर्व सम्राट ज्ञानेंद्र शाह ने सोमवार को मधेस में तीर्थयात्रा शुरू की और मार्च में होने वाले प्रतिनिधि सभा चुनावों से पहले जानकी मंदिर में पूजा-अर्चना की। पिछले साल सितंबर में हुए जन-पीढ़ी के विरोध प्रदर्शनों के बाद देश में अभी भी बदलाव का दौर चल रहा है, ऐसे समय में ऐतिहासिक मंदिर परिसर में शाह का भारी संख्या में अनुयायियों ने स्वागत किया। इस तीर्थयात्रा को पूर्व सम्राट द्वारा प्रभाव मजबूत करने और नेपाल में संवैधानिक राजतंत्र की मांग को पुनर्जीवित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। परिवार के सदस्यों के साथ शाह रविवार शाम को जनकपुर पहुंचे और सोमवार दोपहर को जानकी मंदिर गए, जहां उत्साही समर्थकों और राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के कार्यकताओं ने राजतंत्र के समर्थन में नारे लगाते हुए उन्हें घेर लिया।

मंदिर परिसर राजशाही के समर्थन में जयकारे

और नारे गूंज रहा था। जनता का और अधिक ध्यान आकर्षित करने के लिए, जानकी मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद, शाह लगभग 0.5 किलोमीटर पैदल चलकर राम मंदिर और पास के कालादेवी मंदिर गए, जहाँ उन्होंने अतिरिक्त अनुष्ठान किए। जनता के लिए अपने संदेश के बारे में पूछे जाने पर शाह ने एएनआई को बताया, "ईश्वर के स्थान पर ही ईश्वर की बात करें, किसी और बात पर चर्चा न करें। यह दौरा शाह द्वारा शाही उपाधियों के पुनः उपयोग के बीच हो रहा है, जो उनके पहले के 'पूर्व राजा' पदनाम के उपयोग को उलट देता है। 21 जनवरी को, पूर्व राजा के संचार सचिवालय ने एक बयान में उन्हें पूर्ण शाही सम्मानसूचक उपाधियों से संबोधित किया, प्रभावी रूप से उन्हें 'राजा' के रूप में प्रस्तुत किया और घोषणा की कि शाह और रानी कोमल 26 जनवरी को जनकपुर के जानकी मंदिर का दौरा करेंगे। यह पिछले साल शाह के दशैन संदेश से एक बदलाव था, जब उन्होंने खुद को 'पूर्व राजा' के रूप में पहचाना था, जो 2008 में राजशाही के समाप्त होने के बाद से चली आ रही प्रथा थी।

सचिवालय के प्रवक्ता फनिराज पाठक द्वारा हस्ताक्षरित इस बयान में शाह को श्री 5 महाराजाधिराज ज्ञानेंद्र बीर बिक्रम शाह देव के रूप में संबोधित किया गया है, जो नेपाल के संविधान के तहत अब मान्यता प्राप्त उपाधि नहीं है।

यूएन में भारत ने पाकिस्तान को लगाई फटकार, जम्मू -कश्मीर को बताया अपना आंतरिक मामला

पाकिस्तान

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिए नई दिल्ली द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई पर पाकिस्तान की टिप्पणियों को कड़ा विरोध जताते हुए उन्हें "झूठा और स्वार्थपरक" बताया और कहा कि भारत के आंतरिक मामलों, विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के मामलों पर टिप्पणी करने का इस्लामाबाद को कोई अधिकार नहीं है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि, राजदूत हरीश परवथानेनी ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की खुली बहस के दौरान पाकिस्तान को जवाब देते हुए ये टिप्पणियां कीं और कहा कि पाकिस्तानी प्रतिनिधि का एक ही मकसद है। भारत और उसके लोगों को नुकसान पहुंचाना।

राजदूत परवथानेनी ने कहा कि पाकिस्तान ने पिछले साल मई में चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का झूठा और स्वार्थपरक विवरण प्रस्तुत किया है और इस बात पर जोर दिया कि तथ्य स्पष्ट और अच्छी तरह से प्रमाणित हैं। उन्होंने याद दिलाया कि पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों ने पहलगाम में एक क्रूर हमले में 26 निर्दोष नागरिकों की हत्या कर दी थी, जो आतंकवाद का एक ऐसा कृत्य था जिसकी स्वयं सुरक्षा परिषद ने निंदा की थी। उन्होंने कहा कि इस सम्मानित संस्था ने स्वयं इस निंदनीय आतंकवादी कृत्य के अपराधियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने और न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया था। हमने ठीक वही किया।

पीएम मोदी की पोस्ट का किया उल्टा ट्रांसलेशन, बना दिया इसे विवादित

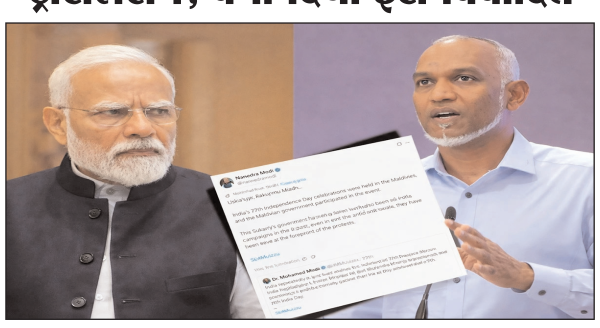

मालदीव

एक्स के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस असिस्टेंट ग्रोक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक राजनयिक पोस्ट का गलत ट्रांसलेशन करके बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है। भारत के 77वें गणतंत्र दिवस के मौके पर दुनियाभर से बधाइयों का सिलसिला देखने को मिला। इसी क्रम में मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भी भारत को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

पाकिस्तान में ट्वीट पर 17 साल की सजा

पाकिस्तान

मानवाधिकार परिषद (एचआरसी-पाकिस्तान) ने विवादास्पद ट्वीट मामले में न्यायाधीश अफजल माजोका की अदालत द्वारा प्रतिष्ठित मानवाधिकार वकीलों एडवोकेट इमान मजारी और एडवोकेट हादी अली चत्था को संयुक्त रूप से 17 साल की जेल और 30 मिलियन रुपये से अधिक के जुमार्ने की सजा सुनाए जाने की कड़ी निंदा की है। एचआरसी-पाकिस्तान ने एक बयान में दोनों वकीलों के कमजोर समुदायों के अधिकारों की रक्षा के प्रति आजीवन समर्पण को रेखांकित किया है। इमान मजारी और हादी अली चत्था ने निरंतर न्याय के लिए संघर्ष किया है, चाहे वह जबरन गायब किए जाने के मामलों को चुनौती देना हो, गैर-न्यायिक हिंसा का समाधान करना हो, पत्रकारों के खिलाफ फर्जी मामलों का मुकाबला करना हो या सड़क विक्रेताओं के आर्थिक अधिकारों की रक्षा करना हो। उनका काम मानवाधिकार और कानून के शासन के सबसे महत्वपूर्ण मोर्चों पर फैला हुआ है, जिसमें ईशनिंदा के आरोपी व्यक्तियों के लिए पारदर्शी सुनवाई सुनिश्चित करना भी शामिल है। परिषद ने आगे कहा केवल राय व्यक्त करने या ट्वीट करने के लिए कठोर दंड लगाना अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार मानकों का उल्लंघन है और पाकिस्तान के संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत प्रदत्त अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला है। इस तरह मानवाधिकार रक्षकों को निशाना बनाना न्याय, निष्पक्षता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पाकिस्तान की प्रतिष्ठा को धूमिल

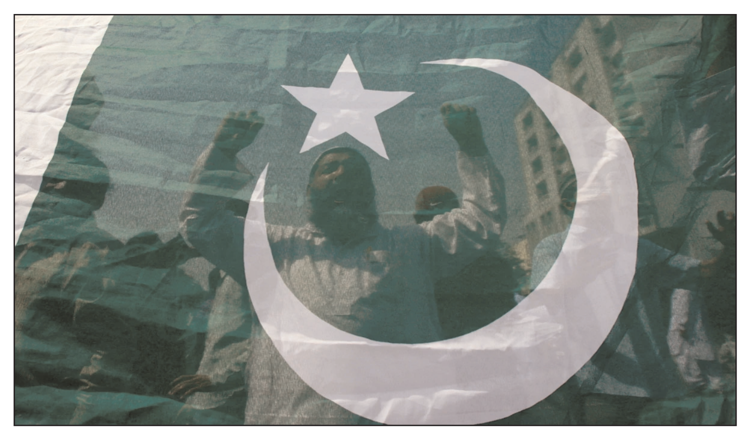

करता है। मानवाधिकार परिषद-पाकिस्तान ने उच्च न्यायपालिका और संबंधित अधिकारियों से इस निर्णय की तत्काल समीक्षा करने और मानवाधिकार रक्षकों के खिलाफ राजनीतिक रूप से प्रेरित मामलों को समाप्त करने का आह्वान किया। परिषद ने इस कठिन समय में इमान मजारी और हादी अली चत्था के परिवारों के साथ-साथ व्यापक कानूनी समुदाय के प्रति पूर्ण एकजुटता भी व्यक्त की।

यह मामला पाकिस्तान में बिगड़ती मानवाधिकार स्थिति को उजागर करता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार खतरा मंडरा रहा है, और मुखर होने वाले कार्यकताओं और वकीलों को राजनीतिक रूप से प्रेरित मुकदमों का सामना करना पड़ रहा है। कमजोर समुदायों के रक्षकों को निशाना बनाना न्याय को कमजोर करता है, कानून के शासन को नष्ट करता है और पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाता है, जो भय और असहमति के दमन के बढ़ते माहौल का संकेत देता है।

बलूचिस्तान में आतंक का माहौल

बलूचिस्तान

संघीय उर्दू विश्वविद्यालय और तुरबत विश्वविद्यालय के स्नातक बलाच और अहसान बलूच को 22 जनवरी को ग्वादर से जबरन लापता कर दिया गया था। उनके लापता होने के बाद से उनके परिवारों को उनके ठिकाने या उनकी स्थिति के बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है। सोशल मीडिया पर लिखते हुए उनका लापता होना कोई अकेली घटना नहीं है। जबरन लापता होने की घटनाएं चिंताजनक दर से बढ़ रही हैं, और ज्यादातर युवा, शिक्षित लोग इससे प्रभावित हो रहे हैं,ह्व उन्होंने लिखा। सम्मी ने राज्य सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों की कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि वे पूरी तरह से मनमानी करते हैं और बिना किसी कानूनी प्रक्रिया या जवाबदेही के किसी को भी कभी भी ले जा सकते हैंह्व। उन्होंने आगे कहा कि इससे आतंक का माहौल बन गया है जिसमें हर युवा अगले शिकार बनने के निरंतर भय में जी रहा है। व्यापक प्रभाव को उजागर करते हुए सम्मी ने लिखा, ये जबरन गुमशुदगी केवल व्यक्तियों को ही निशाना नहीं बनाती; ये पूरे समुदाय को दंडित करती हैं। पूरे समुदाय को संदिग्ध मानकर, वे पूरे राष्ट्र को कगार पर धकेल देते हैं और सामान्य जीवन को प्रतीक्षा, शोक और भय के जीवन में बदल देते हैं। मानवाधिकार संगठनों ने बलूचिस्तान में जबरन गुमशुदगी की बढ़ती संख्या पर बार-बार चिंता व्यक्त की है और अधिकारियों से लापता लोगों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने और उल्लंघन के लिए जवाबदेही सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बलूचिस्तान और बलूच बहुल क्षेत्रों में लोगों ने 25 जनवरी को सेमिनार, कैंडल मार्च और जागरूकता अभियान आयोजित करके बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) द्वारा "बलूच नरसंहार स्मरण दिवस" ?

अमेरिका ने उतारा जंगी जहाज, क्या डर से ईरान करना चाहता है ट्रंप से डील?

अमेरिका

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि व्यापक विरोध प्रदर्शनों में हजारों लोगों की मौत के हफ्तों बाद भी ईरान में स्थिति अस्थिर बनी हुई है, और उन्होंने देश के पास एक विशाल नौसैनिक बेड़ा तैनात किया है। व्हाइट हाउस ने कहा है कि ईरान पर हमले की संभावना अभी भी बनी हुई है, हालांकि ट्रंप ने कहा है कि तेहरान अमेरिका के साथ समझौता करना चाहता है। इस महीने की शुरूआत में, राष्ट्रपति ने कथित तौर पर विरोध प्रदर्शनों के जवाब में ईरान पर हमला करने की योजना को स्थगित कर दिया था। एक्सियोस की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया है और उन्होंने कई परामर्श बैठकें की हैं जिनमें उन्हें

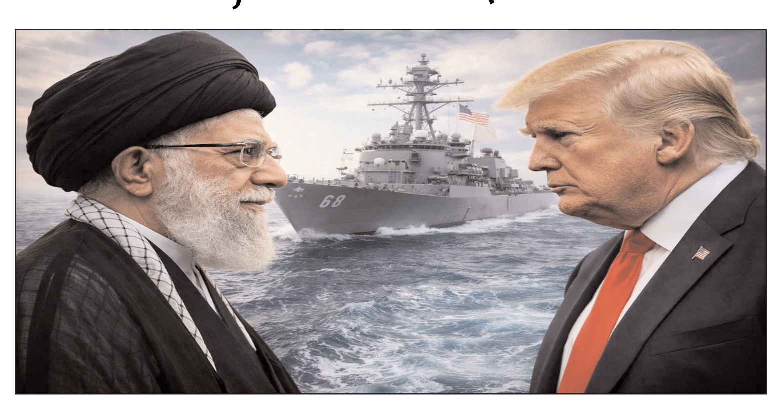

विभिन्न सैन्य विकल्प प्रस्तुत किए गए हैं।

पश्चिम एशिया में अमेरिकी विमान

अमेरिकी सेना ने घोषणा की कि यूएसएस अब्राहम लिंकन विमानवाहक पोत स्ट्राइक समूह पश्चिम एशिया पहुंच गया है, जिससे इस क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य शक्ति में भारी वृद्धि हुई है। ईरान द्वारा बड़े पैमाने पर हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर दमनकारी कार्रवाई के बाद इस विमानवाहक पोत और इसके साथ के जहाजों को इस क्षेत्र में भेजा गया था। हालांकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बाद में तेहरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई से पीछे हट गए, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि सभी विकल्प अभी भी खुले हैं। अमेरिकी केंद्रीय कमान, जो इस क्षेत्र में अमेरिकी सेनाओं के लिए जिम्मेदार है। यह स्ट्राइक ग्रुप "क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए वर्तमान में मध्य पूर्व में तैनात है। ट्रम्प ने एक्सियोस को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि अमेरिका के पास ईरान के बगल में एक विशाल नौसेना बेड़ा है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि तेहरान बातचीत के लिए उत्सुक हैः वे समझौता करना चाहते हैं। मुझे पता है। उन्होंने कई बार फोन किया है।

गोलीबारी के बाद शहर में हिंसक प्रदर्शन, ट्रंप ने भेजा अपना खास एजेंट

अमेरिका

मिनियापोलिस में चल रहे आव्रजन प्रवर्तन अभियान के दौरान अमेरिकी संघीय एजेंटों द्वारा एक और व्यक्ति को गोली मारे जाने के बाद, व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से शहर से भारी हथियारों से लैस संघीय कर्मियों को वापस बुलाने की मांग फिर से उठाई गई। अब ट्रम्प स्थिति को संभालने के लिए टॉम होमन नामक एक एजेंट को मिनियापोलिस भेज रहे हैं। ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने लिखा, "मैं आज रात टॉम होमन को मिनेसोटा भेज रहा हूँ। वह उस क्षेत्र में शामिल नहीं रहे हैं, लेकिन वहाँ के कई लोगों को जानते और

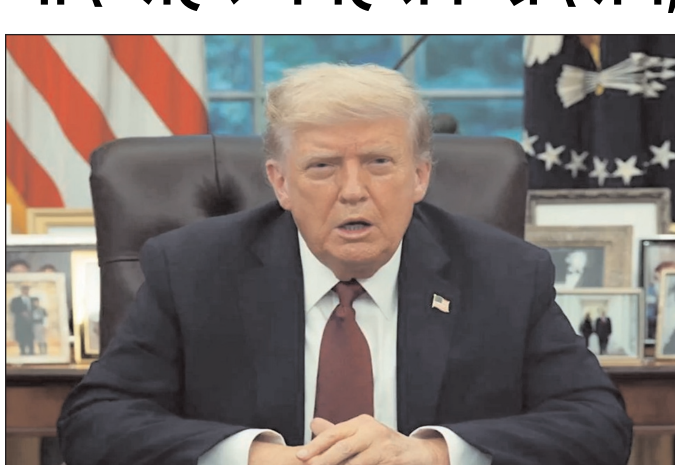

पसंद करते हैं। टॉम सख्त लेकिन निष्पक्ष हैं, और सीधे मुझे रिपोर्ट करेंगे। इसके अलावा, मिनेसोटा में हुए 20 अरब डॉलर से अधिक के बड़े कल्याण धोखाधड़ी मामले की एक बड़ी जांच चल रही है, जो कम से कम आंशिक रूप से वहाँ हो रहे हिंसक संगठित विरोध प्रदर्शनों के लिए जिम्मेदार है। साथ ही, न्याय विभाग और कांग्रेस इल्हान उमर की जांच कर रहे हैं, जिनकी संपत्ति अब कथित तौर पर 44 मिलियन डॉलर से अधिक है। इस मामले पर ध्यान देने के लिए धन्यवाद!

मिनियापोलिस पुलिस प्रमुख ब्रायन ओ'हारा ने पुष्टि की कि 37 वर्षीय एक व्यक्ति को अस्पताल ले जाने के बाद कई गोलियां लगने से उसकी मौत हो गई। ओ'हारा के अनुसार, पीड़ित मिनियापोलिस का निवासी और अमेरिकी नागरिक था। अल जजीरा के अनुसार, उन्होंने कहा आज हमारी मांग है कि हमारे शहर में काम कर रही संघीय एजेंसियां ??उसी अनुशासन, मानवता और ईमानदारी के साथ काम करें, जिसकी इस देश में प्रभावी कानून प्रवर्तन के लिए आवश्यकता होती है।

यह गोलीबारी मिनियापोलिस में अमेरिकी आव्रजन प्रवर्तन और अन्य संघीय एजेंटों की निरंतर तैनाती के बीच हुई, जहां वे ट्रंप के आव्रजन विरोधी अभियान के तहत छापे मार रहे हैं।

अल जजीरा ने बताया कि मिनेसोटा के गवर्नर टिम वाल्ज ने संघीय अभियानों की कड़ी आलोचना करते हुए उन्हें आव्रजन प्रवर्तन से बहुत दूर बताया। सेंट पॉल में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान मिनेसोटा के गवर्नर ने कहा, "यह बहुत पहले ही आव्रजन प्रवर्तन का मामला नहीं रह गया है।" वाल्ज ने कहा, "यह हमारे राज्य के लोगों के खिलाफ संगठित क्रूरता का अभियान है। और आज उस अभियान ने एक और जान ले ली।

परमाणु हथियारों से जुड़ा डेटा अमेरिका को लीक

चीन

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के दो सबसे ताकतवर और करीबी और भरोसेमंद आर्मी जनरल्स अमेरिका के लिए जासूसी कर रहे थे और इन दोनों जनरल्स का नाम जांग यूशिया और ल्यू झेनली है। यह दोनों ही शी जिनपिंग के बहुत करीबी माने जाते हैं। 75 वर्ष के जनरल यूशिया चीन की सबसे बड़ी और सबसे ताकतवर सैन्य संस्था सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के उपाध्यक्ष हैं। यानी दूसरे सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हैं। पहले नंबर पर सबसे शक्तिशाली व्यक्ति हैं खुद शी जिनपिंग जो कि इस संस्था के चेयरमैन हैं और जो वाइस चेयरमैन हैं वो जांग योशिया ये जनरल युसिया जो हैं ये चीन के साथ गद्दारी कर रहे थे। चीन की हर एक सेना का कमांड और कंट्रोल इसी सेंट्रल मिलिट्री कमीशन के पास होता है। जनरल ल्यू जेनली भी सेंट्रल मिलिट्री कमीशन में चीफ ऑफ स्टाफ यानी एक बहुत बड़े अधिकारी थे। जनरल यूशिया और शी जिनपिंग जो चीन के राष्ट्रपति हैं। यह दोनों बहुत करीबी दोस्त थे। यानी एक दोस्त ने ही दूसरे दोस्त के साथ गद्दारी की और एक दोस्त ने शी जिनपिंग का तख्ता पलट करने की कोशिश की।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक

स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति

द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज

1/6C माधव कुंज

कटरा, प्रयागराज से मुद्रित एवं

क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान

झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

सम्पादक

स्वामी श्री योगी सत्यम्

RNI NO. UPHIN/2001/09025

प्रबन्धक

अनूप मिश्रा

ऑफिस मो.:

9565333000

Email:

akhandbharatsandesh1@gmail.com

सभी विवादो का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा

हमें डील करने में वक्त लगता है, पर हम वादा निभाते हैं

यूरोप

यूरोपीय संघ की विदेश मामलों और सुरक्षा नीति की उच्च प्रतिनिधि और यूरोपीय आयोग की उपाध्यक्ष काजा कल्लास ने मंगलवार को भारत-यूरोपीय संघ मुक्त समझौता (एफटीए) की सराहना करते हुए कहा कि दोनों पक्ष विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं। राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित 'यूरोप, भारत और बदलती विश्व व्यवस्था' विषय पर एक सम्मेलन में बोलते हुए कल्लास ने कहा कि समझौते पर बातचीत में भले ही लंबा समय लगा हो, लेकिन अब यूरोप इस पर कायम रहने का इरादा रखता है। जब मैं दुनिया भर में घूमती हूँ, तो मैं देखती हूँ कि अधिक से अधिक देश यूरोप के साथ साझेदारी बनाना चाहते हैं क्योंकि हम भरोसेमंद हैं, जो आजकल एक महत्वपूर्ण गुण बनता जा रहा है। हमें समझौते करने में लंबा समय लगता है, लेकिन जब हम कर लेते हैं, तो हम उन पर कायम रहते हैं। हम उन्हें लागू करते हैं, और यही बात अब मायने रखती है... जब हम आखिरकार अपने लक्ष्य तक पहुँच जाते हैं, तो हम वास्तव में अपने वादे और समझौते निभाते हैं। मुझे लगता है कि यह बेहद महत्वपूर्ण है... हम विभिन्न क्षेत्रों में मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं, और हमने सुरक्षा, रक्षा, विदेश नीति, समुद्री सुरक्षा और साइबर सुरक्षा जैसे विभिन्न क्षेत्रों की रूपरेखा तैयार कर ली है। हम इस बारे में बातचीत कर रहे हैं क्योंकि निर्णय लेने के लिए, आपको उपलब्ध तथ्यों और खुफिया जानकारी से अवगत होना आवश्यक है।

कल्लास ने कहा कि अपनी यात्रा के दौरान

उन्होंने व्यापारिक संबंध स्थापित करने में वास्तविक रुचि देखी, खासकर ऐसे समय में जब कुछ महाशक्तियां बहुपक्षीय व्यवस्था को फिर से परिभाषित करने का प्रयास कर रही हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि बैठक में व्यापारिक संबंध स्थापित करने के साथ-साथ भू-राजनीतिक परिदृश्य से संबंधित अन्य मुद्दों में भी सच्ची रुचि दिखाई दे रही है। क्योंकि हम देख रहे हैं कि महाशक्तियां बहुपक्षीय व्यवस्था को फिर से परिभाषित करना चाहती हैं, जहां सब कुछ विभाजित है... एक छोटे देश से होने के नाते, मैं ईमानदारी से कह सकती हूं कि यह छोटे और मध्यम आकार के देशों के हित में नहीं है। भारत एक छोटा देश नहीं है। लेकिन फिर भी, मुझे लगता है कि यूरोप में सहयोग की गुंजाइश है। यूरोपीय संघ और भारत के बीच विदेश नीति को लेकर भी संबंध हैं। कल्लास ने कहा कि इस समय यूरोप को रूस से खतरा है और यूरोप की क्षमताओं को मजबूत करना आवश्यक है। इस समय रूस से हमारे अस्तित्व को गंभीर खतरा है। हमारे सदस्य देश रक्षा खर्च बढ़ा रहे हैं, और फिर यह भी मायने रखता है कि हम क्षमताएं कहां से खरीदें और किसके साथ साझेदारी करें। पहले चरण में, हम चाहते हैं कि यह पैसा यूरोपीय उद्योग को मिले, लेकिन अगर यूरोपीय उद्योग आपूर्ति करने में सक्षम नहीं है, तो हम बाहर से खरीद सकते हैं, और मुझे लगता है कि भारत जैसे बड़े देश से मिलने वाली प्रतिस्पर्धा भी हमारे उद्योगों के लिए समाधान खोजने में सहायक होगी।

इससे पहले, यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष कोस्टा और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया, "हम न केवल अपनी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत कर रहे हैं, बल्कि तेजी से असुरक्षित होती दुनिया में अपने लोगों को सुरक्षा भी प्रदान कर रहे हैं। आज, दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं और लोकतंत्र अपनी पहली सुरक्षा और रक्षा साझेदारी शुरू कर रहे हैं। यह एक ऐतिहासिक कदम है।